RNI-UPHIN/2009/30721

दिल्ली
अधिकतम तापमान 34 डिग्री
न्यूनतम तापमान 25 डिग्री
एनसीआर
अधिकतम तापमान 34 डिग्री
न्यूनतम तापमान 24 डिग्री

सोमवार 26 मई 2025
सूर्योदय प्रातः 05:26 बजे
सूर्यास्त सांय 19:12 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 नीति नीयत सब नापाक, फिर भी कहिये 'पाकिस्तान?

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 16 | अंक : 220 | गाजियाबाद, सोमवार 26 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

राजग के सभी CM ने किया जातीय जनगणना का समर्थन

20 राज्यों के मुख्यमंत्री, 18 उपमुख्यमंत्री सुशासन पर विचार-विमर्श में हुए शामिल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों की रविवार को यहां हुयी बैठक में सुशासन के मुद्दों पर चर्चा की गयी और जातीय जनगणना कराने के केन्द्र सरकार के फैसले का पूरी तरह समर्थन किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राजग शासित राज्यों के सभी 20 मुख्यमंत्रियों और 18 उपमुख्यमंत्रियों के अलावा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे।

बैठक के बाद श्री नड्डा ने कहा, ''बैठक में दो प्रस्ताव पारित किए गए। पहला प्रस्ताव 'ऑपरेशन सिंदूर' पर था, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व और हमारी सेना के काम की प्रशंसा की गई तथा सेना द्वारा दिखाई गई बहादुरी की अत्यधिक सराहना की गई। यह प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया।"

श्री नड्डा ने कहा, ''जातीय जनगणना पर भी बैठक में एक प्रस्ताव पारित किया गया और सभी ने इस पर अपनी सहमति दी। साथ ही, श्री मोदी के इस फैसले की प्रशंसा की और उन्हें बधाई दी। हमने यह स्पष्ट कर दिया है कि हम जातिगत राजनीति नहीं करते हैं, बल्कि वंचित, उत्पीड़ित और शोषित लोगों को मुख्यधारा में लाना चाहते हैं, जिन्हें छोड़ दिया गया है। यही समाज की जरूरत है।"

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' संबंधी प्रशताव राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रशतावित किया गया और महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इसका अनुमोदन किया। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जातीय जनगणना प्रशताव रखा और इसका अनुमोदन आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण ने किया। श्री नड्डा ने कहा, '' बैठक में नक्सलियों के खिलाफ चल रहे अभियान पर भी चर्चा हुई और उस चर्चा में, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस बारे में बात की कि हमने नक्सलवाद के खिलाफ कैसे लड़ाई लड़ी है और हमें कैसे सफलता मिल रही है। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने इस बात पर जोर दिया कि हम नक्सल प्रभावित क्षेत्रों का पुनर्वास कैसे कर रहे हैं और हम उन्हें मुख्यधारा में कैसे ला रहे हैं। नक्सलवाद के संबंध में जो योजनाएं चल रही हैं, उन पर चर्चा की गई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी रणनीति पर चर्चा की, और उन्होंने हमारा मार्गदर्शन किया और सभी मुख्यमंत्रियों और उप मुख्यमंत्रियों को सूचित किया कि हमने इसे हराने के लिए अपनी ताकत का उपयोग कैसे किया है।"

उन्होंने कहा, "पच्चीस और 26 जून को आपातकाल के 50 साल पूरे हो जाएंगे। राजग जनता के बीच जाकर इसे उजागर करेगा और जनता को उन लोगों की असलियत बताएगा जिन्होंने लोकतंत्र का गला घोंटने की कोशिश की थी।" बैठक का समन्वय भाजपा के सुशासन विभाग ने किया।

इस सम्मेलन में राजग की विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा सर्वोत्तम प्रथाओं पर भी चर्चा की गई। कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने अपनी पहलों पर प्रश्तुतियाँ भी दीं।

भारत रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य में आगे बढ़ रहा : ओम बिरला

✷ वेबवार्ता. जमशेदपुर /रांची ✷

राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत के दृढ़ संकल्प और आतंकवाद के विरुद्ध कड़े रुख पर जोर देते हुए, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भारत के सशस्त्र बलों की प्रतिबद्धता और वीरता की सराहना की।

उन्होंने कहा कि भारत को अपने सशस्त्र बलों – उनके शौर्य, साहस और दृढ़ संकल्प पर गर्व है। उन्होंने सशक्त रूप से आगाह किया कि यदि कोई देश या आतंकवादी संगठन भारत में आतंक फैलाता है, तो इसके परिणाम ऑपरेशन सिंदूर से भी अधिक गंभीर होंगे। उन्होंने कहा कि भारत ने न केवल अपने आंतरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत किया है, बल्कि इस संबंध में दुनिया को एक स्पष्ट और दृढ़ संदेश भी दिया है। उन्होंने यह आग्रह भी किया कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों में हम सामूहिक हित की भावना से आगे बढ़ें।

श्री बिरला ने सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के प्लेटिनम जुबली समारोह में उपस्थित विशिष्ट लोगों को संबोधित करते हुए ये बात कही। लोक सभा अध्यक्ष के तौर पर झारखंड की अपनी पहली यात्रा पर आए श्री बिरला ने रांची के बिरसा चौक पर भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धासुमन अर्पित किए और बिरसा मुंडा संग्रहालय भी गए।

श्री बिरला ने झारखंड की धरती को नमन करते हुए कहा कि यह एक ऐसा क्षेत्र है जहां से देश को भगवान बिरसा मुंडा और जमशेदजी टाटा जैसे महानुभाव मिले। उन्होंने यह भी कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने आदिवासी सम्मान और स्वाभिमान के लिए बहादुरी से लड़ने की प्रेरणा दी।

तटरक्षक बल और नौसेना ने लाइबेरियाई पोत पर सवार सभी 24 लोगों को बचाया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

भारतीय तटरक्षक बल और नौसेना ने खतरनाक सामान से लदे एक लाइबेरियाई कंटेनर पोत के केरल तट के पास डूबने पर चालक दल के सभी 24 सदस्यों को रविवार को बचा लिया। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को बताया कि लाइबेरियाई कंटेनर पोत एमएससी ईएलएसए तीन आज सुबह सात बजकर 50 मिनट पर कोच्चि तट पर बाढ़ के कारण डूब गया।

पोत पर सवार चालक दल के सभी 24 सदस्यों को बचा लिया गया जिनमें से 21 को तटरक्षक बल ने और तीन को नौसेना के पोत आईएनएस सुजाता ने बचाया।

यह पोत 640 कंटेनरों के साथ डूब गया। पोत पर 13 में खतरनाक सामान और 12 में कैल्शियम कार्बाइड वाले कंटेनर थे। कंटेनरों में 84.44 टन डीजल और 367.1 टन फर्नेस ऑयल भी भरा हुआ था। केरल के तट पर संवेदनशील समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को देखते हुए तटरक्षक बल ने प्रदूषण संबंधित कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है।

तेल रिसाव का पता लगाने वाली उन्नत प्रणालियों से लैस विमान हवाई निगरानी कर रहा है और प्रदूषण प्रतिक्रिया उपकरण लेकर बल का पोत सक्षम मौके पर तैनात है। फिलहाल तेल रिसाव की कोई सूचना नहीं मिली है।

यह आपात स्थिति कल उस सयम शुरू हुई, जब विझिनजाम से कोच्चि जाते समय यह पोत लगभग 38 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में 26 डिग्री झुक गया। पोत ने संतुलन खो दिया जिसके कारण संकट की सूचना दी गई। कोच्चि में बल के समुद्री बचाव उप-केंद्र (एमआरएससी) ने तुरंत समन्वित कार्रवाई शुरू की।

हरियाणा कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने आपत्तिजनक बयान पर सांसद जांगड़ा के इस्तीफे की मांग

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। हरियाणा की कांग्रेस विधायक गीता भुक्कल ने पहलगाम आतंकवादी हमले के पीड़ित परिवारों के प्रति भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के आपत्तिजनक बयान को लेकर उनके इश्तीफे की मांग की है। उन्होंने बयान को निंदनीय और शर्मनाक बताते हुए कहा कि भाजपा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नकली नारा देने वाली पार्टी है और उसे बहन-बेटियों का मान-सम्मान करना नहीं आता। गीता भुक्कल ने कहा, "भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा अक्सर आपत्तिजनक भाषा का इश्तेमाल करते हैं और हाल ही में उन्होंने धर्म और जाति के नाम पर अपमानजनक बातें करके सभी हदें पार कर दीं। उन्हें शर्म आनी चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।"

विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री, डिप्टी एनएसए अगले सप्ताह जाएंगे अमेरिका

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री और राष्ट्रीय उप सुरक्षा सलाहकार (डिप्टी एनएसए) पवन कपूर जल्द वाशिंगटन जाएंगे। शीर्ष पदस्थ सूत्रों ने बताया कि उनका यह दौरा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर तय किया गया है। दोनों शीर्ष अधिकारी अगले सप्ताह अमेरिका रवाना हो सकते हैं। वे ऐसे समय में वहां जा रहे हैं जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप कई मौकों पर भारत और पाकिश्तान के बीच पिछले दिनों जारी संघर्ष को रोकने में मध्यस्थता का दावा कर चुके हैं। ट्रंप ने कहा था कि संघर्ष विराम के लिए उन्होंने दोनों पक्षों से लंबी बातचीत की थी। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को खारिज करते हुए भारत कह चुका है कि संघर्ष विराम के लिए खुद पाकिश्तान ने गुहार लगाई थी जो 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारतीय सेना की कार्रवाई से छटपटा रहा था।

रगों में सिंदूर की बात करने वाले मोदी बदजुबान नेताओं पर नहीं करते कार्रवाई-खड़गे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और मंत्री पहलगाम मुद्दे पर सेना और शहीदों का अपमान कर रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय खामोश हैं। श्री खड़गे ने कहा 'भाजपा के नेताओं में पहलगाम के पीड़ितों और बहादुर सेना पर लांछन लगाने की होड़ चल रही है। भाजपा के राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा के शर्मनाक बयान से एक बार फिर आरएसएस भाजपा की ओछी मानसिकता को उजागर कर दिया।

मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने हमारी जाँबाज़ सेना का अपमान किया पर मोदी जी ने कोई कार्रवाई नहीं की। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह ने हमारी वीर कर्नल पर भद्दी टिप्पणी की पर आज तक बर्खाश्त नहीं हुए।' उन्होंने कहा 'जब पहलगाम में शहीद नौसेना ऑफ़िसर की पत्नी को सोशल मीडिया पर ट्रोल किया जा रहा था तब भी मोदी जी चुप थे। मोदी जी, आप कहते हैं कि आपकी रगों में सिंदूर है, अगर ऐसा है तो आपको महिलाओं के सम्मान के लिए अपने इन बदज़ुबानी नेताओं को बर्खाश्त करना चाहिए।'

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि भाजपा नेता लगातार सेना और शहीदों का अपमान कर रहे हैं जो उनकी ओछी मानसिकता को उजागर करते हैं। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा का यह शर्मनाक बयान बताता है कि सत्ता के नशे में चूर भाजपा इतनी संवेदनहीन हो चुकी है कि पहलगाम आतंकी हमले में शहीद हुए जवानों के बलिदान के लिए सुरक्षा चूक को जिम्मेदार ठहराने के बजाय भाजपा सांसद शहीदों एवं उनकी पत्नियों पर ही सवाल उठा रहे हैं। विजय शाह और देवड़ा जैसे नेताओं पर आज तक कोई कार्रवाई नहीं हुई, अब ये नया बयान घोर आपत्तिजनक है। उन्होंने कहा 'प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा नेतृत्व की चुप्पी को इन बयानों की मौन स्वीकृति क्यों न माना जाए। हमारी मांग है कि प्रधानमंत्री इस शर्मनाक बयान पर माफी मांगें और सांसद रामचंद्र जांगड़ा को पार्टी से बाहर करें।'

शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने न्यूयॉर्क में आतंकवाद से लड़ने के संकल्प को दोहराया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस नेता शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने न्यूयॉर्क में प्रमुख थिंक टैंक, अकादमिक नेताओं और मीडिया के समक्ष अपनी बात रखी। इस बातचीत में प्रतिनिधिमंडल ने दृढ़ता के साथ भारत के आतंकवाद से लड़ने के संकल्प को रेखांकित किया। इसकी पुष्टि न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने अपने आधिकारिक 'एक्स' हैंडल पर की।

वाणिज्य दूतावास के एक आधिकारिक बयान के अनुसार, "शशि थरूर के नेतृत्व में राजनयिक आउटरीच यात्रा के दौरान न्यूयॉर्क पहुंचे सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों से लड़ने के लिए भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया।"

भारतीय प्रतिनिधियों ने "आतंकवाद के खिलाफ शून्य सहिष्णुता और एकीकृत राष्ट्रीय संकल्प का दृढ़ संदेश दिया और आतंकवाद का मुकाबला करने, इसके नेटवर्क को समाप्त करने और अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय तंत्र की वकालत की।" इसके साथ ही भारत-अमेरिका रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

न्यूयॉर्क यात्रा के दौरान भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने 9/11 के आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रतिनिधिमंडल के बयान में कहा गया है कि, "एकजुटता के प्रतीक रूप में 'राष्ट्रीय सितंबर 11 स्मारक और संग्रहालय' का दौरा किया गया और 9/11 हमलों में मारे गए निर्दोष लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भारत वैश्विक श्तर पर आतंकवाद से पीड़ितों के साथ एकजुट है।

यह यात्रा 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत की व्यापक कूटनीतिक वैश्विक पहुंच का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य आतंकवाद से उत्पन्न जटिल और उभरते खतरों से निपटने के लिए प्रमुख अंतरराष्ट्रीय देशों के बीच आम सहमति बनाना है।

शशि थरूर के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में शांभवी चौधरी (लोक जनशक्ति पार्टी), सरफराज अहमद (झारखंड मुक्ति मोर्चा), जीएम हरीश बलयागी (तेलुगु देशम पार्टी), शशांक मणि त्रिपाठी (भाजपा), तेजस्वी सूर्या (भाजपा), भुवनेश्वर के लता (भाजपा), मिलिंद देवरा (शिवसेना) और अमेरिका में पूर्व भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू शामिल हैं।

लालू यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप को पार्टी और परिवार से बाहर किया

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेजप्रताप यादव को पार्टी और परिवार से निष्कासित कर दिया है।

श्री यादव ने एक महिला के साथ श्री तेजप्रताप यादव का फोटो और वीडियो वायरल होने के बाद रविवार को सोशल नेटवर्किंग साइट फेसबुक पर पोस्ट करके अपने बड़े पुत्र को पार्टी और परिवार से निष्कासित किये जाने की जानकारी दी। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, 'निजी जीवन में नैतिक मूल्यों की अवहेलना करना हमारे सामाजिक न्याय के लिए सामूहिक संघर्ष को कमजोर करता है। ज्येष्ठ पुत्र की गतिविधि, लोक आचरण तथा गैर जिम्मेदाराना व्यवहार हमारे पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों के अनुरूप नहीं है। अतएव उपरोक्त परिस्थितियों के चलते उसे पार्टी और परिवार से दूर करता हूं। अब से पार्टी और परिवार में उसकी किसी भी प्रकार की कोई भूमिका नहीं रहेगी। उसे पार्टी से छह साल के लिए निष्कासित किया जाता है।'

राजद प्रमुख ने आगे लिखा, 'अपने निजी जीवन का भला-बुरा और गुण-दोष देखने में वह स्वयं सक्षम है। उससे जो भी लोग संबंध रखेंगे वो स्वविवेक से निर्णय लें। लोकजीवन में लोकलाज का सदैव हिमायती रहा हूं। परिवार के आज्ञाकारी सदस्यों ने सार्वजनिक जीवन में इसी विचार को अंगीकार कर अनुसरण किया है। धन्यवाद।'

गौरतलब है कि श्री तेजप्रताप यादव के फेसबुक अकाउंट से एक लड़की के साथ तस्वीर शनिवार को पोस्ट करते हुए लिखा गया था, 'मैं तेजप्रताप यादव और मेरे साथ इस तस्वीर में जो दिख रही हैं उनका नाम अनुष्का यादव है। हम दोनों पिछले 12 सालों से एक दूसरे को जानते है और प्यार भी करते हैं। हमलोग पिछले 12 सालों से एक रिलेशनशिप में रह रहें हैं। मैं बहुत दिनों से आपलोगों से यह बात कहना चाहता था पर समझ नहीं आ रहा था कैसे कहूं.... इसलिए आज इस पोस्ट के माध्यम से अपने दिल की बात आप सब के बीच रख रहा हूं। आशा करता हूं आपलोग मेरी बातों को समझेंगे।"

सज्जनता के साथ शक्ति भी जरूरी : मोहन भागवत

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत को इतना सामर्थ्यवान बनना चाहिए कि कोई भी शक्ति उसे पराजित न कर सके।

उन्होंने संघ प्रार्थना की एक पंक्ति का उल्लेख करते हुए बताया कि यह केवल भावना नहीं बल्कि हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि अपना स्वयं का बल ही वाश्तविक बल होता है और सुरक्षा के मामले में हमें किसी अन्य पर निर्भर नहीं रहना चाहिए।

भागवत ने संघ की विचार पत्रिकाओं के संपादकों को दिए साक्षात्कार में देश, समाज और हिंदुत्व से जुड़े कई अहम विषयों पर विश्तार से विचार रखे। उन्होंने आत्मनिर्भर सुरक्षा, सामाजिक समरसता, संघ में महिलाओं की भूमिका और धर्म आधारित जीवन मूल्यों पर स्पष्ट दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्व में कुछ लोग आक्रामक प्रवृत्ति के होते हैं और केवल सज्जनता से उनकी रोकथाम संभव नहीं है। सज्जनता के साथ शक्ति भी जरूरी है। उन्होंने यह भी कहा कि जब सज्जनता में शक्ति नहीं होती तो वह असहाय बन जाती है और शक्ति यदि सज्जनता से रहित हो तो हिंसा में बदल सकती है। इसलिए दोनों का संतुलन आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि मोहन भागवत का यह साक्षात्कार भारत के ऑपरेशन सिंदूर के पहले लिया गया था। उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचारों से जुड़े एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि अब वहां का हिंदू समाज पहले से अधिक जागरूक और आत्मविश्वासी हो गया है। पहले ऐसे हालात में पलायन होता था लेकिन अब वहां के हिंदू कहते हैं कि वे भागेंगे नहीं बल्कि अपने अधिकारों के लिए वहीं संघर्ष करेंगे।

भागवत ने इसे हिंदू समाज के बढ़ते आत्मबल और संगठन का संकेत बताया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विश्वभर में फैले हिंदू समाज के साथ खड़ा है। संघ मर्यादाओं के भीतर रहकर जहां भी संभव हो सहायता करता है। संघ का उद्देश्य केवल भारत में नहीं बल्कि वैश्विक श्तर पर हिंदू समाज को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है।

हिंदुत्व को लेकर चल रही बहस पर उन्होंने कहा कि हिंदुत्व कोई संप्रदाय नहीं है और न ही यह कोई बंद विचारधारा है। यह सत्य, करुणा, शुचिता और तपस्या जैसे मूल्यों पर आधारित जीवन दृष्टि है जिसमें विविधताओं का सम्मान और स्वीकार है। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्थान एक धर्मप्राण राष्ट्र है और धर्म ही सृष्टि को संचालित करता है। यह मानना या न मानना व्यक्ति की इच्छा पर निर्भर करता है लेकिन सत्य को मानने से लाभ होता है और नहीं मानने पर हानि होती है। उन्होंने यह भी कहा कि हिंदुत्व को कट्टर या राजनीतिक विचार कहना गलत है और यह केवल भ्रम फैलाने का प्रयास है।

भागवत ने कहा कि राष्ट्र की एकता का विचार संविधान में भी निहित है। हम सभी एक समाज और एक राष्ट्र हैं। यह अपनाने का विचार है ना कि ध्रुवीकरण का। उन्होंने यह भी कहा कि कोई स्वयं को हिंदू कहे या भारतीय या इंडिक- यदि उसकी भावना एकता की है तो शब्दों से फर्क नहीं पड़ता।

समरसता के विषय पर उन्होंने कहा कि केवल कानून से सामाजिक विषमता समाप्त नहीं होती क्योंकि इसका निवास मन में होता है। इसे मन से निकालना होगा। उन्होंने कहा कि बंधुभाव ही समरसता का आधार है और स्वतंत्रता तथा समता तभी टिकाऊ बनती है जब इनका आधार बंधुभाव हो। जब हम यह मानते हैं कि सभी अपने हैं तभी हम सभी समान होते हैं।

भागवत ने कहा कि हिंदू समाज को अब जागरूक होना पड़ेगा। उसे अपने भेदों और स्वार्थों को त्याग कर एक सामर्थ्यवान और नीति आधारित भारत का निर्माण करना होगा। उन्होंने कहा कि विज्ञान, कृषि और उद्योग में क्रांति हो चुकी है अब सत्य और करुणा आधारित जीवन के पुनर्निर्माण के रूप में धर्म क्रांति की आवश्यकता है।

महिलाओं की भूमिका पर उन्होंने स्पष्ट किया कि संघ में महिला कार्य राष्ट्र सेविका समिति के माध्यम से होता है। संघ की शाखा का कार्यक्रम पुरुषों के लिए होता है लेकिन महिलाएं इन कार्यक्रमों में सहभागी होती हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं का उद्धार पुरुष नहीं कर सकते महिलाएं स्वयं ही अपना उद्धार करेंगी और इसी के माध्यम से

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में कोरोना फिर एक्टिव, रायपुर में मिला पहला केस

रायपुर , एजेंसी। देश के कई हिस्सों में एक बार फिर कोरोना ने पैर पसारना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में भी अब छत्तीसगढ़ में भी कोरोना का पहला मामला सामने आया है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कोरोना संक्रमित एक मरीज मिला है। मरीज को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ऐसा बताया जा रहा है कि मरीज सदी-खांसी की परेशानी को लेकर अस्पताल गया था, जहां जांच में कोरोना पॉजीटिव पाया गया है। मरीज की पहचान होने के बाद इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग को दी गई है। कोरोना कंट्रोल सेंटर के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. खेमराज सोनवानी ने इस मामले की पुष्टि की है।

मिली जानकारी के मुताबिक लक्ष्मीनगर, पचपेड़ी नाका निवासी यह व्यक्ति सर्दी-खांसी के रूटीन चेकअप के लिए अस्पताल पहुंचा था। लक्षणों के आधार पर डॉक्टरों को कोरोना की आशंका हुई, जिसके बाद उसका सैंपल लिया गया। रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद तुरंत उसे आइसोलेट कर इलाज शुरू कर दिया गया। संक्रमित मरीज़ को एक निजी हॉस्पिटल में भर्ती किया गया है, जहां उसका इलाज कोरोना प्रोटोकॉल के तहत किया जा रहा है।

मरीज को सिंगल वार्ड में रखा गया है और इलाज की अलग से विशेष व्यवस्था की गई है। अस्पताल प्रबंधन ने भी मरीज के संक्रमित होने की पुष्टि की है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीज के परिजनों का सैंपल लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही, हाल के दिनों में मरीज़ के संपर्क में आए लोगों की ट्रैकिंग और स्क्रीनिंग की जा रही है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि संक्रमित मरीज का किसी अन्य राज्य की यात्रा का कोई इतिहास नहीं है, जिससे यह संदेह गहरा रहा है कि संक्रमण स्थानीय स्तर पर फैला हो सकता है। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे सावधानी बरतें, भीड़-भाड़ से बचें और यदि कोई लक्षण दिखें तो तुरंत नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराएं।

कोरोना कंट्रोल सेंटर के राज्य नोडल अधिकारी डॉ. खेमराज सोनवानी ने जनता से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, बल्कि सावधानियां बरतें। मास्क का उपयोग करें, फिजिकल डिस्टेंसिंग का पालन करें और हाथों को बार-बार धोते रहें। भीड़ वाली जगहों से दूर रहें। यदि किसी भी तरह के लक्षण महसूस होते हैं तो तत्काल स्वास्थ्य जांच कराएं। कोरोना संक्रमण को लेकर डरने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट है।

छत पर सो रही महिला को उठा ले गया तेंदुआ, मचा हाहाकार, इलाके में फैली दहशत

बहराइच, एजेंसी। यूपी के बहराइच में कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुजौली रेंज जंगल से सटे अयोध्यापुरवा गांव में शनिवार रात छत पर सो रही अधेड़ महिला को तेंदुआ उठा ले गया। हांका लगाते लोग महिला की तलाश में निकले। तो कुछ दूरी पर गन्ने के खेत में शव मिला। जिसके चलते परिजनों में हाहाकार मच गया। जानकारी पर पुलिस व वन महकमे की टीम मौक पहुंची है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तेंदुए के हमले से इलाके में दहशत फैल गई है। सुजौली थाने के अयोध्यापुरवा निवासनी 45 वर्षीय जहीरा बानो पत्नी निसार अहमद शनिवार रात में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ छत पर सो रही थी। शनिवार देर रात लगभग 2 - 3 बजे के बीच तेंदुआ छत पर चढ़ गया। तेंदुआ जहीरा बानो को गले से दबोच ले गया। तेंदुआ के हमले पर सब की नींद टूटी। उनके शोर पर ग्रामीण लाठी और डंडा लेकर हांका लगाते हुए दौड़े। कुछ दूरी पर गन्ने के खेत में महिला को छोड़ कर तेंदुआ गायब हो गया। ग्रामीणों ने महिला जहीरा बानों का शव खेत से बरामद हो गया। महिला के गले पर तेंदुए के दांत के निशान पाए गए है। तेंदुए के हमले से महिला की मौत के बाद परिजनों में हाहाकार मच गया। यूपी के बहराइच में कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सुजौली रेंज जंगल से सटे अयोध्यापुरवा गांव में शनिवार रात छत पर सो रही अधेड़ महिला को तेंदुआ उठा ले गया। हांका लगाते लोग महिला की तलाश में निकले। तो कुछ दूरी पर गन्ने के खेत में शव मिला। जिसके चलते परिजनों में हाहाकार मच गया। जानकारी पर पुलिस व वन महकमे की टीम मौक पहुंची है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। तेंदुए के हमले से इलाके में दहशत फैल गई है। सुजौली थाने के अयोध्यापुरवा निवासनी 45 वर्षीय जहीरा बानो पत्नी निसार अहमद शनिवार रात में परिवार के अन्य सदस्यों के साथ छत पर सो रही थी।

समुद्र में लौट रहा लहरों का योद्धा आईएनएस ब्रह्मपुत्र, आग लगने के बाद हुआ था बड़े हादसे का शिकार

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय नौसेना का स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस ब्रह्मपुत्र जुलाई 2024 में मुंबई स्थित नौसेना डॉकयार्ड में हुए एक गंभीर हादसे के बाद बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया था। लेकिन अब यह युद्धपोत एक बार फिर से सेवा में लौटने की राह पर है। वरिष्ठ नौसैनिक अधिकारियों ने बताया कि युद्धपोत के 'फ्लोट और मूव' क्षमताओं को बहाल करने का कार्य इस साल के अंत या 2026 की शुरुआत तक पूरा हो सकता है, जबकि इसकी 'फाइट' यानी युद्ध क्षमता जून-जुलाई 2026 तक दोबारा सक्रिय हो सकती है। कई लोगों को आशंका थी कि भारी नुकसान के कारण यह पोत दोबारा सेवा में नहीं लौट पाएगा, लेकिन नौसेना इसे ठीक करने और सेवा में वापस लाने के लिए तेजी से काम कर रही है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, नौसेना डॉकयार्ड में युद्धपोत की मरम्मत तेजी से चल रही है। उसे फिर से समुद्र में चलने लायक बनाना प्राथमिकता है। यह पहली बार है जब वर्ष 2000 में सेवा में आए इस गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट के दोबारा ऑपरेशन को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने आई है। यह युद्धपोत कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड द्वारा बनाया गया था।

हादसा और नुकसान

21 जुलाई 2024 को नौसेना डॉकयार्ड में खड़े 3,850 टन वजनी आईएनएस ब्रह्मपुत्र पर आग लग गई थी। आग बुझाने के लिए बड़े पैमाने पर पानी पंप किया गया, जिससे युद्धपोत झुक कर पलट गया। इस हादसे में लीडिंग सीमैन सितेंद्र सिंह की मौत हो गई थी। वह उस समय युद्धपोत के मरम्मत कार्य में शामिल थे। जबकि अधिकांश क्रू मेंबर सुरक्षित बाहर निकल गए थे, कुछ ने समुद्र में छलांग लगाकर जान बचाई, लेकिन सितेंद्र सिंह डूब गए। इसके बाद युद्धपोत को नवंबर 2024 में ड्राई डॉक में ले जाया गया और फिर नुकसान का व्यापक मूल्यांकन कर मरम्मत की योजना बनाई गई।

मरम्मत कार्य और आगे की योजना

दूसरे अधिकारी ने बताया कि, मरम्मत चरणबद्ध तरीके से चल रही है। सबसे पहले जहाज की ढांचा, प्रणोदन प्रणाली और बिजली उत्पादन को दुरुस्त किया जा रहा है ताकि फ्लोट और मूव क्षमता बहाल हो सके। युद्धपोत की फाइट यानी हथियार प्रणाली और सेंसर को पुनः सक्रिय करने का कार्य भी समानांतर रूप से चल रहा है। सभी क्षतिग्रस्त उपकरणों को हटाकर डॉकयार्ड की वर्कशॉप में ले जाया जा रहा है, जहां उनकी मरम्मत या रिप्लेसमेंट हो रहा है। युद्धपोत के क्रू सदस्य भी मरम्मत कार्य में तकनीकी सहायता दे रहे हैं।

सुरक्षा पर भी फोकस

हादसे के तुरंत बाद नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने मुंबई का दौरा कर क्षति का जायजा लिया था और पश्चिमी नौसेना कमान को युद्धपोत को दोबारा चालू करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने एक विशेष कार्यबल का गठन किया, जिसकी अध्यक्षता एक रियर एडमिरल कर रहे थे। STF ने नौसेना के जहाजों से जुड़े सुरक्षा और संचालन मानकों पर अपनी रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट की सिफारिशों को सभी नौसेना कमानों और इकाइयों को जारी कर, शीघ्र अमल के निर्देश दिए गए हैं। अप्रैल 2025 में हुई नौसेना कमांडर्स की चार दिवसीय कांफ्रेंस में भी सुरक्षा एक अहम मुद्दा रहा। इस दौरान स्ज्ञ्ख्न की रिपोर्ट के आधार पर उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई। हालांकि रिपोर्ट आने के बाद भी दो और दुर्घटनाएं घट चुकी हैं।

भाजपा विधायक और शिमला एसपी के बीच विवाद, कार्रवाई के लिए कोर्ट पहुंचे कप्तान

शिमला, एजेंसी। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी और भाजपा विधायक सुधीर शर्मा के बीच विवाद की स्थिति बन गई है। गांधी ने शनिवार को हिमाचल प्रदेश हाई कोर्ट में एक याचिका दायर कर बिना अनुमति के अदालती कार्यवाही का वीडियो क्लिप प्रसारित करने के मामले में भारतीय जनता पार्टी के विधायक सुधीर शर्मा के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध किया। भाजपा विधायक शर्मा ने याचिका के जवाब में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी को कानूनी नोटिस भेजा है।

गांधी ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि मैंने धर्मशाला से भाजपा विधायक सुधीर शर्मा के खिलाफ उच्च न्यायालय की कार्यवाही का चुनिंदा तरीके से सीधा प्रसारण करने के लिए अदालत में याचिका दायर की है, जो कार्यवाही की अवमानना ??और कॉपीराइट और सूचना अधिनियम का उल्लंघन है।

ऑनलाइन प्रसारित वीडियो में बुधवार को हिमाचल प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीपीसीएल) के मुख्य अभियंता विमल नेगी की मौत की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई के दौरान गांधी के खिलाफ अदालत की टिप्पणी दिखाई गई है।

पुलिस अधीक्षक ने आरोप लगाया कि शर्मा पिछले साल फरवरी में हुए राज्यसभा चुनाव के दौरान विधायकों की कथित खरीद-फरोख्त के 'मास्टरमाइंड' थे। उन्होंने दावा किया कि शर्मा ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से उन्हें गलत रूप में पेश किया गया और उनकी छवि खराब की। दूसरी ओर, शर्मा ने एसपी को कानूनी नोटिस भेजकर कहा कि क्लिप में छेड़छाड़ नहीं की गई है और कार्यवाही की 'लाइव स्ट्रीमिंग' की अनुमति अदालत ने ही दी है। उन्होंने एसपी द्वारा दिए गए 'गैर-जिम्मेदाराना और निराधार' बयानों को वापस लेने की मांग की।

केरल सरकार ने तुर्की को दिए थे 10 करोड़, अब पाक से तनाव के बीच थरूर ने उठाए सवाल

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। भारत की ऑपरेशन सिंदूर के तहत वैश्विक कूटनीतिक पहल के बीच केरल सरकार द्वारा 2023 में भूकंप प्रभावित तुर्की को दिए गए ?10 करोड़ के वित्तीय सहायता पर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विदेश मामलों की स्थायी समिति के अध्यक्ष शशि थरूर ने इसे गलत प्राथमिकता वाली उदारता करार दिया, वहीं सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास ने उन्हें चुनिंदा स्मृति का शिकार बताया। दोनों नेता फिलहाल ऑपरेशन सिंदूर के तहत भेजे गए बहु-दलीय प्रतिनिधिमंडलों का हिस्सा हैं, जिनका उद्देश्य पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत की स्थिति को अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समर्थन दिलाना है।

थरूर अमेरिका, पनामा, गयाना, ब्राजील और कोलंबिया की यात्रा पर गए प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा तुर्की-निर्मित ड्रोन के इस्तेमाल की रिपोर्टों के संदर्भ में कहा, उम्मीद है कि केरल सरकार अब दो साल बाद तुर्की के व्यवहार को देखकर अपनी गलत उदारता पर विचार करेगी। खासकर जब वायनाड जैसे जिलों को उस 10 करोड़ की जरूरत थी। गौरतलब है कि जुलाई 2024 में वायनाड में भूस्खलनों से करीब 300 लोगों की मौत हुई थी और तीन गांव लगभग पूरी तरह तबाह हो गए थे। थरूर का इशारा इसी संदर्भ में था।

सीपीआई(एम) का पलटवार

राज्यसभा सांसद जॉन ब्रिटास भी प्रतिनिधिमंडल के सदस्य हैं जो जापान, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, मलेशिया और इंडोनेशिया की यात्रा पर गया है। उन्होंने थरूर के बयानों को केरल विरोधी बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, शशि थरूर के लिए मेरे मन में सम्मान है, लेकिन यह टिप्पणी एकतरफा याददाश्त का लक्षण है। क्या उन्हें नहीं पता कि केंद्र सरकार ने खुद 2023 में ऑपरेशन दोस्त के तहत तुर्की को मदद भेजी थी? आपको बता दें कि ऑपरेशन दोस्त भारत सरकार की वह पहल थी, जिसके तहत भूकंप के बाद तुर्की और सीरिया को राहत सामग्री और एनडीआरएफ की टीमें भेजी गई थीं।

केरल सरकार का बचाव

राज्य के वित्त मंत्री के एन बालगोपाल ने थरूर की आलोचना को अनुचित बताया। उन्होंने कहा, 2023 में जब तुर्की में भयानक आपदा आई, तब हमने मानवीय दृष्टिकोण अपनाया। यह सहायता विदेश मंत्रालय के माध्यम से दी गई थी। अब दो साल बाद उस मानवीय मदद को 2025 के सीमा संघर्ष से जोड़ना उचित नहीं है। वायनाड में भूस्खलन के बाद केरल सरकार ने केंद्र से ?2,000 करोड़ की विशेष सहायता मांगी थी। लेकिन राज्य सरकार का आरोप है कि भाजपा नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कोई विशेष पैकेज नहीं दिया। इस मुद्दे को लेकर सीपीआई(एम) वायनाड जिले में मार्च निकाल रही है और केंद्र पर उपेक्षा का आरोप लगा रही है।

महिलाओं ने फूंका बसपा जिला अध्यक्ष का पुतला

✷ एनसीआर टुडे. चांदपुर ✷

नगर के मोहल्ला पतियापाड़ा बिजनौर बाईपास रोड स्थित बहुजन समाज पार्टी विधानसभा कार्यालय के बाहर बहुजन समाज पार्टी के जिला अध्यक्ष का पुतला फूंका गया। जनपद बिजनौर के थाना चांदपुर में बसपा विधानसभा कार्यालय के बाहर बहुजन समाज पार्टी की पूर्व सेक्टर अध्यक्ष राधा रानी के नेतृत्व मे दर्जनों महिलाओं ने जिला अध्यक्ष बिजनौर दलीप कुमार उर्फ पिंटू पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनका पुतला फूंफा।

महिलाओं ने जिला अध्यक्ष हटाओ, बसपा बचाओ , जिला अध्यक्ष की तानाशाही नहीं चलेगी नहीं चलेगी के गगनभेदी नारे लगाते हुए विरोध जताया। पूर्व सेक्टर अध्यक्ष राधा रानी ने जिला अध्यक्ष पर और भी कई गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि जिला अध्यक्ष दलीप कुमार पिंटू शराबी किस्म का व्यक्ति है । महिलाओं का सम्मान नहीं करता। महिलाओं से गाड़ी में तेल डलवाने के नाम पर पैसे लेता हैं। महिलाएं जिला कार्यालय पर जाती हैं तो दरवाजा बंद कर लेता है।

महिलाओं का सम्मान नहीं करता जिला अध्यक्ष से तंग आकर राधा रानी के नेतृत्व में दर्जनों महिलाओं ने जिला अध्यक्ष को हटाए जाने की मांग करते हुए पुतला फूंफा है। बताते चले कि इस मामले को लेकर बीते काफी समय से महिलाओं का विरोध प्रदर्शन जारी है। जिससे पार्टी की शाख को बेहद गहरा झटका लगने से कोई नही रोक सकता है।

राज को सताने लगी उद्धव की चिंता

बोले- पवार-ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की कोशिश कर रही भाजपा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे इन दिनों महाराष्ट्र की राजनीति में सुर्खियों में बने हुए हैं। अटकलें हैं कि वह अपने चचेरे भाई उद्धव ठाकरे से हाथ मिला सकते हैं। इस बीच मनसे चीफ ने आरोप लगाया है कि भारतीय जनता पार्टी राज्य की राजनीति से पवार और ठाकरे ब्रांड को खत्म करने की साजिश रच रही है। हालांकि उन्होंने जोर देकर कहा कि इन ब्रांड्स को खत्म नहीं किया जा सकता।

पुणे में एक मराठी समाचार पोर्टल द्वारा आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए राज ठाकरे ने कहा, ठाकरे ब्रांड की बात करें तो मेरे दादा प्रभोधनकार ठाकरे ने महाराष्ट्र पर सबसे पहले गहरा प्रभाव डाला। उसके बाद बालासाहेब ठाकरे, फिर मेरे पिता श्रीकांत ठाकरे जिन्होंने संगीत में पहचान बनाई। बाद में उद्धव और मैंने भी राजनीति में अपनी छाप छोड़ी। ये सही है कि बीजेपी दोनों ब्रांड्स को खत्म करना चाहती है, लेकिन यह संभव नहीं है।

ठाकरे और पवार ब्रांड को खत्म करने की कोशिश: राज ठाकरे ने यह भी कहा कि भले ही नेता बदल जाएं, लेकिन ब्रांड जीवित रहता है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से हलचल मची है। खासकर ठाकरे और पवार परिवारों में विभाजन और संभावित मेल-मिलाप की अटकलों के बीच।

क्या उद्धव-राज मिलन संभव है?: राज ठाकरे के इस बयान ने उद्धव ठाकरे से मेल-मिलाप की संभावना को फिर हवा दी है। हालांकि शिवसेना (यूटीबी) के नेता संजय राउत ने इन चर्चाओं को सिर्फ भावनात्मक संवाद बताया है और स्पष्ट किया है कि अभी कोई गठबंधन की बात नहीं हुई है।

राज ठाकरे ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था, महाराष्ट्र का हित मेरे लिए सबसे ऊपर है। अगर उद्धव ठाकरे साथ काम करने को तैयार हों तो मैं भी अपने मतभेदों को किनारे रख सकता हूं। इस बयान के जवाब में उद्धव ठाकरे ने भी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी।

राज ठाकरे ने हाल ही में वायरल हुए एक फोटो का हवाला देते हुए बीजेपी पर निशाना साधा जिसमें मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस एनसीपी के नेताओं अजित पवार, सुनील तटकरे, अशोक चव्हाण, नारायण राणे और छगन भुजबल के साथ बैठे दिखाई दे रहे थे। उन्होंने कहा, ये वही लोग हैं जिनके खिलाफ बीजेपी कार्यकर्ताओं ने वर्षों तक संघर्ष किया। आज वही नेता सत्ता में बैठे हैं। क्या बीजेपी समर्थक खुद को ठगा महसूस नहीं कर रहे होंगे? राज ठाकरे ने पहलगाम हमले का जिक्र करते हुए कहा कि पाकिस्तान से युद्ध कोई समाधान नहीं है।

गुरुग्राम में 2 साल के अंदर 38 अवैध कॉलोनियां हुई नियमित

गुरुग्राम , एजेंसी। हरियाणा के शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने बीते 19 माह में गुरुग्राम की 38 अवैध कॉलोनियों को नियमित किया है। सरकार द्वारा नियमित की गई कॉलोनियों में अब गुरुग्राम नगर निगम की तरफ से लोगों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।बता दें कि नगर निगम ने 2022 में शहर की 103 अवैध कॉलोनियों को नियमित करने के लिए सर्वे रिपोर्ट शहरी स्थानीय निकाय विभाग को भेजी थी। 103 में से नगर निगम की 38 कॉलोनियां नियमित हो चुकी हैं। इन कॉलोनियों में रहने वाले छह लाख से अधिक लोगों को इससे बड़ी राहत मिली है। अब इन कॉलोनियों में निगम की तरफ से सभी प्रकार की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इसको लेकर निगम ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। अब इन कॉलोनियों में निगम की तरफ से सीवर लाइन, पानी की लाइन, सड़क और स्ट्रीट लाइटें लगाने का काम किया जाएगा।

अवैध कॉलोनियों में लोगों को नहीं मिल रही थी सुविधाएं – स्थानीय निवासियों के अनुसार वर्षों से यह कॉलोनियां अवैध श्रेणी में थीं, जिस कारण न तो निगम द्वारा कोई विकास कार्य कराया जा सकता था और ना ही लोग सरकारी योजनाओं का लाभ ले पा रहे थे। सीवर, नालियां, जल निकासी, और रोशनी जैसी बुनियादी सुविधाओं के अभाव में इन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को कई तरह की भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सरकार के इस निर्णय के बाद अब नगर निगम यहां विकास कार्यों की योजना बना सकेगा। इन कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अब साफ-सुथरी सड़कें, नियमित जलापूर्ति, सीवर प्रणाली और सार्वजनिक रोशनी जैसी आवश्यक सुविधाएं मिलने का रास्ता साफ हो गया है। स्थानीय पार्षद और सामाजिक संगठनों ने सरकार के इस कदम का स्वागत किया है। उनका कहना है कि यह फैसला आम नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अधिसूचना के लागू होने के बाद अन्य अनियमित कालोनियों को भी वैधता मिलने की उम्मीद जगी है। निगम ने 50 करोड़ का एस्टीमेट तैयार किया – नगर निगम द्वारा नियमित हुई 38 में से 15 कॉलोनियों में विकास कार्य करवाने के लिए करीब 50 करोड़ रुपये का एस्टीमेट तैयार कर लिया है। अक्टूबर 2023 में नियमित हुई कॉलोनियों में निगम ने छह से ज्यादा कॉलोनियों में तो सीवर लाइन, सड़क और पानी की लाइन डालने के काम भी पूरे करवा दिए हैं। इसके अलावा बाद में जो कॉलोनियां नियमित हुई है उन कॉलोनियों में भी निगम की तरफ से अब लोगों की मांग के अनुसार एस्टीमेट तैयार किए जा रहे हैं।

लोगों को विकास शुल्क जमा करना होगा: नियमित की गई इन कॉलोनियों के निवासियों को नगर निगम में पहले डेवलपमेंट चार्ज जमा करवाना होगा। इसकी एवज में उनको वहां पर मूलभूत सुविधाएं दी जाएंगी। अब नगर निगम में कॉलोनी में विकास कार्य करवाने के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करेगा और टेंडर प्रक्रिया कर सुविधा देने का कार्य शुरू करेगा। चीफ इंजीनियर, गुरुग्राम नगर निगम, विजय ढाका का कहना है कि नियमित हुई कॉलोनियों में लोगों की मांग के अनुसार लगातार विकास कार्य करवाए जा रहे हैं।

करंट लगने से दुकानदार की जान गई

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹ । मुरादनगर में दिल्ली मेरठ मार्ग पर गांव असालतनगर में शनिवार की रात फ्रिजर में उतरे करंट की चपेट में आकर दुकानदार की मौत हो गई। गाजियाबाद के नंदग्राम निवासी संजीव कुमार की दिल्ली मेरठ मार्ग पर गांव असालतनगर स्थित हनुमान मंदिर के पास दुकान है। दुकान पर उसका बेटा भी बैठता है। शनिवार रात को दुकान में रखे फ्रिजर में उतरे करंट की चपेट में संजीव कुमार का पुत्र आशीष आ गया और झुलस गया। उसे स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां पर चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

करंट की चपेट में आकर लाइनमैन झुलसा

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹ । मुरादनगर की ब्रजविहार कॉलोनी में रविवार को फाल्ट ठीक करते समय करंट लगने से लाइनमैन झुलस गया। गंभीर हालत में उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मोदीनगर निवासी गौरव बिजली विभाग मुरादनगर में संविदा में कार्य करते हैं। बताया जा रहा है कि रविवार के ब्रजविहार कॉलोनी में वह फाल्ट ठीक कर रहे थे। बताया जा रहा है कि अचानक बैकअप आने से करंट आ गया और लाइनमैन उसकी चपेट में आ गए। गंभीर हालत में उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

युवती से दुष्कर्म का आरोपी युवक गिरफ्तार

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹ । दिल्ली सीमा के नजदीक गाजियाबाद के लोनी इलाके में शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म करने के आरोपी को अंकुश विहार थाना पुलिस ने रविवार को चमन विहार अंडर पास से गिरफ्तार कर लिया। मोहम्मद अरशद परिवार के साथ दिल्ली खजूरी स्थित राजीव नगर कालोनी में रहता है। युवक के खिलाफ एक युवती ने थाना सब्जी मंडी नार्थ दिल्ली में दुष्कर्म किए जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। घटना स्थल थाना अंकुर विहार पाये जाने पर रिपोर्ट को अंकुर विहार थाने में ट्रांसफर किया गया। युवती ने युवक पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने के आरोप लगाए थे। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि सूचना पर रविवार सुबह आरोपी को चमन विहार अंडर पास से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने दस माह पूर्व दिल्ली जामा मस्जिद इलाके में मिलना व अक्सर युवती के साथ मोबाइल पर बातें करना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि वह युवती के साथ एक माह तक अंकुर विहार थाना क्षेत्र में पति पत्नी बनकर लिव इन में रहा था।

कोर्ट मैरिज के बाद दहेज में मांगे 20 लाख

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹ । कोर्ट मैरिज के बाद दहेज में 20 लाख रुपये मांगने का मामला प्रकाश में आया है। साहिबाबाद थानाक्षेत्र में रहने वाली युवती से युवक ने कोर्ट मैरिज की। बाद में बारात लाकर विदा करने की बात कही। मगर बरात लाने से पहले 20 लाख रुपये की मांग रख दी। पैसे न मिलने पर आरोपी उन्हें साथ रखने से इंकार कर दिया। शनिवार पुलिस ने आरोपी व उसके परिजनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी से काफी समय से दोस्ती थी। जनवरी 2025 में आर्य समाज मंदिर में शादी कर कोर्ट मैरिज की। आरोपी व उसके परिजनों ने बरात लाकर विदा करने की बात कही, जिसके लिए उनके पिता ने फार्म हाउस बुक कर दिया और लगभग सभी तैयारी हो गई थी। 25 अप्रैल को बरात आनी थी। इससे ठीक पहले आरोपी व उसके परिजन 20 लाख रुपये मांगने लगे। पैसे न मिलने पर कहा कि वह उसे साथ नहीं रखेगा।

शहर में बंदरों की दहशत, लोग कर रहे पकड़ने की मांग

✹ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹ । शहर की कई कॉलोनी में बंदरों की दहशत बढ़ती जा रही है। लोग नगर निगम से बंदरों को पकड़ने की मांग कर रहे हैं। बंदर काटने के मरीज रोजाना बड़ी संख्या में सरकारी अस्पताल पहुंच रहे हैं। गोविंदपुरम, शास्त्रीनगर, चिरंजीव विहार, अवंतिका, राजनगर, कविनगर और पटेल नगर आदि कॉलोनी में बंदरों की दहशत रहती है। बंदर झुंड बनाकर गलियों और पार्कों में घूमते फिरते हैं। लोगों पर झपट्टा मारकर घायल कर रहे हैं। लोग निगम से बंदरों को पकड़ने की मांग कर रहे हैं। शास्त्रीनगर निवास रवि तोमर का कहना है कि पिछले एक सप्ताह में बंदरों ने बच्चों घायल कर दिया है। कॉलोनी में भी बंदर काटने के मामले बढ़ रहे हैं। गोविंदपुरम निवासी आशीष शर्मा ने बताया कि बंदर पार्क में रहते हैं। उन्होंने नगर निगम से बंदरों को पकड़कर जंगल में छोड़ने की मांग की है।

ट्रेन से कटकर विजयपाल की मौत

✹ एनसीआर टुडे. झालू ✹ । निकटवर्ती ग्राम खारी निवासी विजयपाल पुत्र खेम सिंह उड़नचस वर्षीय की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। घटना की सूचना ट्रेन के ड्राइवर ने हल्दौर रेलवे स्टेशन मास्टर राहुल कुमार को दी, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। विजयपाल की मौत के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है, लेकिन पुलिस मामले की जांच कर रही है। विजयपाल की मौत से उनके परिवार में शोक की लहर है। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है और मामले की जांच कर रही है।

वर्षा होने से लोगों को गर्मी से राहत किसानों के चेहरे खिल उठे

✹ एनसीआर टुडे. नगीना ✹ । तेज वर्षा के कारण, मौसम खुश गवार हो गया है, लोगों में गर्मी से राहत का संचार हुआ है, भीषण गर्मी से, लोग परेशान और बेहाल थे, परंतु वर्षा होने के कारण सुबह से ही, मौसम खुश गवार हो गया, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली है, पहले तो सुबह-सुबह हल्की बारिश हुई, तेज वर्षा हुई, जिसके कारण, मौसम में परिवर्तन हो गया, वरिष्ठ समाजसेवी, खान साहब का कहना है कि, भारी गर्मी से, लोग बिलबिला रहे थे बारिश के कारण मौसम खुश गवार, हो गया है, और यदि ऐसा ही मौसम दो-चार दिन रहा, तो लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी, उधर किसानों की खेती के लिए यह बरसा बहुत अच्छी बताई जा रही है इस वर्षा से गन्ने की फसल को बहुत अच्छा लाभ मिला है।

मुठभेड़ में बाइक सवार लुटेरे को गोली लगी

✹ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✹

सेक्टर-50 में शनिवार रात सेक्टर-49 थाने की पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में बाइक सवार लुटेरा घायल हो गया। पुलिस ने उसके साथी को घेराबंदी कर गिरफ्तार किया।

बदमाशों के पास से बाइक, लूट का मोबाइल, तमंचा और कारतूस समेत अन्य सामान बरामद किया। एडिशनल डीसीपी सुमित शुक्ला ने बताया कि बीते दिनों सेक्टर-49 थाना क्षेत्र में मोबाइल लूट की घटना सामने आई थी।

इसके बाद बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए टीम बनाई गई। पुलिस की टीम शनिवार रात को करीब साढ़े ग्यारह बजे सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन की तरफ जाने वाली सड़क पर चेकिंग कर रही थी, तभी उधर से एक बाइक पर सवार दो युवक गुजरे। संदिग्ध लगने पर टीम ने दोनों को रुकने का इशारा किया।

पुलिस टीम को देखते ही युवकों ने बाइक मोड़ी और सेक्टर-50 के सर्विस रोड की तरफ भागने लगे। पीछा करने पर बाइक सवार बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी।

जवाबी कार्रवाई में पैर में गोली लगने से मोरना निवासी नौशाद उर्फ टोला घायल हो गया।

अंधेरे का फायदा उठाकर 22 वर्षीय नौशाद का साथी तरुण सिंह फरार हो गया। हालांकि, पुलिस ने महज दस मिनट में उसे भी घेराबंदी कर दबोच लिया। घायल बदमाश के खिलाफ नोएडा के अलग-अलग थानों में छह केस दर्ज हैं।

बदमाशों के पास से हाल के दिनों में लूटा गया मोबाइल बरामद हुआ। तरुण का भी आपराधिक इतिहास पुलिस पता कर रही है।

लूट के मोबाइल को बदमाश राहगीरों को बेहद कम दाम में मजबूरी बताकर बेच देते थे।

दोस्तों के साथ राम गंगा नदी पर नहाने गया 20 वर्ष से युवक डूबा, परिवार में मचा कोहराम

✹ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✹

दोस्तों के साथ नहाने गए एक बीस वर्षीय युवक रामगंगा नदी स्थित भिक्कावाला घाट पर डूबने से मौत

हो गई गोताखोरों की चौबीस घंटे बाद घटनास्थल से पांच किलोमीटर की दूरी पर शव बरामद हुआ परिजनों में मचा कोहराम।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव हिदायतपुर चौहड़वाला निवासी धर्मेश कुमार 20 वर्ष पुत्र जोगेंद्र सिंह शुक्रवार की शाम दोस्तों के साथ नहाने के लिए रामगंगा नदी स्थित भिक्कावाला घाट पर गया था की नहाने के दौरान युवक के डूबने की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे पुलिस क्षेत्राधिकारी राजेश सिंह सोलंकी व थाना अध्यक्ष सुमित कुमार राठी ने रामगंगा भिक्कावाला घाट पहुंच कर गोताखोरों की मदद से डूबे युवक को देर रात तक तलाश किया। डूबे हुए युवक का शव 24 घंटे बाद घटना स्थल से पांच किलोमीटर दूर ग्राम प्रेमपुरी घाट पर गोताखोरों ने बरामद कर लिया सूचना का पाकर पहुंचे परिजन शव को बिना किसी कार्रवाई के घर ले गए।

एसीपी/सीओ कार्यालय की छत गिरी, मलबे में दबकर दरोगा की मौत

✹एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✹

गाजियाबाद में रविवार तड़के सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) कार्यालय की छत गिरने से उसके मलबे में दबकर एक उप निरीक्षक की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार लगातार बारिश और आंधी के कारण लोनी के अंकुर विहार स्थित एसीपी कार्यालय की छत अचानक गिर गई और कमरे में सो रहे उप निरीक्षक वीरेंद्र कुमार मिश्रा (58) मलबे में दब गए। अपर पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि दुर्घटना में दरोगा को गंभीर चोटें आई और सुबह जब अन्य पुलिसकर्मी कार्यालय पहुंचे तो उनको मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रियदर्शी ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी।

अधिकारियों ने इटावा जिले के इकदिल थाना क्षेत्र के चितभवन गांव के निवासी उप निरीक्षक के परिजनों को सूचना दे दी है। पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी औपचारिकताओं के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

गन्ना महाप्रबंधक डॉ रजनीश कुमार ने किसानों को गोष्ठी में लाल सड़न रोग व चोटी बेधक कीट से बचाव की जानकारी दी

गन्ने की नई प्रजातियो की बुआई पर दिया जोर

✹ एनसीआर टुडे. अफजलगढ़ ✹

गांव सुभाषनगर में एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस दौरान गन्ना महाप्रबंधक डॉ रजनीश कुमार ने किसानों को लाल सड़न सहित रेड राट, गन्ने में लगने वाली अन्य बिमारियों के लक्षण तथा रोकथाम के बारे में जानकारी दी।

साथ ही गन्ने की नई प्रजातियो की बुआई पर जोर दिया। शुक्रवार को गांव सुभाषनगर में शुगर मिल अफजलगढ़ द्वारा एक किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।

जिसमें गन्ना महाप्रबंधक डॉ रजनीश व अतिरिक्त गन्ना प्रबंधक अनिल कुमार ने लाल सड़न सहित रेड रॉट एवं गन्ना फसल में लगने वाली अन्य बीमारियों की पहचान तथा उनके रोकथाम के उपाय के बारे में विस्तृत रुप से बताया। किसान गोष्ठी में

चीनी मिल के गन्ना महाप्रबंधक डॉ रजनीश कुमार ने किसानों को जागरूक किया है। कि यदि अपने गन्ना फसल में लाल सड़न रेड रॉट रोग के प्राथमिक लक्षण आना प्रारंभ हो गये है। चोटी बेधक टॉप बोरियर कीट व काला चीटा का प्रकोप भी दिखायी दे रहा है। अपने गन्ना फसल में लाल सड़न सहित रोग की रोकथाम हेतु प्रभावित क्लम्प को उखाड़कर नष्ट कर दें।

पांच ग्राम ब्लीचिंग पाउडर प्रति क्लम्प डालने के उपरांत हेक्सास्टॉप या आजाका डुओ 160 मि.लि. प्रति एकड़ की दर से ड्रेन्चिंग कर दे व चोटी बेधक कीट के नियंत्रण हेतु 150 मि.लि.कोराजन नेटजन अरासी प्रति एकड़ की दर से ड्रेन्चिंग कर दे। जो चीनी मिल द्वारा 10 प्रतिशत से 50 प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध करायी जा रही है। इस अवसर पर गन्ना महाप्रबंधक डॉ रजनीश कुमार के आलावा अतिरिक्त गन्ना प्रबंधक अनिल कुमार,राहुल दुबे,कुंदन सिंह,किसान दर्शन सिंह,सुरेंद्र सिंह,जसपाल सिंह, गुरमीत सिंह,सचिन कुमार, रंजीत सिंह सहित आदि किसान उपस्थित रहे।

बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में चार दिवसीय समर कैंप आयोजित

✹ एनसीआर टुडे. नहटौर ✹

बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज नहटौर में 4 दिवसीय समर कैंप का आयोजन किया गया। जिसका शुभारंभ डॉ मनीषा दक्ष ने किया। बलराम कुंवर सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में समर कैंप का शुभारंभ डॉ मनीषा दक्ष, डॉ एके दक्ष एमडी दक्ष हॉस्पिटल नहटौर, जिलाध्यक्ष रा प्र महासभा बिजनौर व प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार शर्मा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पार्चन करके किया।

यह समर कैंप विद्यालय में 21 मई से 24 मई तक आयोजित किया गया है। समर कैंप में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं जैसे बैडमिंटन, स्विमिंग, डांस, म्यूजिक, मेहंदी, आर्ट एंड क्राफ्ट, स्किल डेवलपमेंट आदि प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। डॉ मनीष अध्यक्ष ने बताया कि ऐसे कार्यक्रम स्कूलों में समय-समय पर होते रहने चाहिए। इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों के अंदर पढ़ने की अलग जिज्ञासा होती है। डॉ दक्ष ने बताया बताया कि इस प्रकार के समर कैंप में होने वाली प्रतियोगिताओं से छात्र-छात्राओं का मानसिक एवं शारीरिक विकास होता है। अतः सभी छात्र छात्राओं को समर कैंप की विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करना चाहिए। समर कैंप की विभिन्न प्रतियोगिताओं में सभी छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार शर्मा ने छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रेरित किया और समर कैंप में आने वाले अतिथि गणों का स्वागत और अभिनंदन किया। इस अवसर कॉलेज का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम का संचालन दीपा शर्मा ने किया।

महामंडलेश्वर गजानंद गिरी सहित आधा दर्जन साधु संतों का नईम सिद्दीकी के आवास पर हुआ जोरदार स्वागत

✹ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✹

सिटी प्रेस क्लब नजीबाबाद की ओर से आयोजित पेयजल शिविर में निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर सहित आधा दर्जन से अधिक साधु संत पहुंचे।

सिटी प्रेस क्लब अध्यक्ष नईम सिद्दीकी के हरिद्वार मार्ग स्थित आवास पर आज निरंजन अखाड़ा के श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर गजानंद गिरी, पंचायती श्री निरंजनी अखाड़ा के महंत रामानंद गिरी,नागा बाबा बुधपुरी देवकीनंदन महाराज ,व गजानन महाराज पहुंचे।

इस अवसर पर सभी साधु संतों का जोरदार स्वागत किया गया।इस मौके पर व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष कपिल सर्राफ, वरिष्ठ समाज सेवी नगीना जोन स्टोन क्रेशर के अध्यक्ष संजीव चौहान, नईम सिद्दीकी, पंकज शर्मा, विपुल शर्मा, हर्षित अग्रवाल, ग्राम प्रधान डॉक्टर साजिद हुसैन,जकी मालिक, आदि ने संयुक्त रूप से साधु संतों का फूल मालाओं से स्वागत कर शाल ओढ़कर उनको सम्मानित किया। इसके बाद सभी अतिथि रेलवे स्टेशन परिसर में लगे पेयजल शिविर में पहुंचे और शिविर का फीता काट कर उद्घाटन किया।

इस मौके पर जितेंद्र जैन,नईम सिद्दीकी, गुलजार अहमद, अनिल सक्सेना, खिजर अहमद, विकास आर्य, हिफजुर्रहमान, राजवीर सिंह, संतराम शर्मा, प्रदीप चौहान, मिस बाबुल हसन, अभिनव अग्रवाल, आदित्य अग्रवाल, शाहनवाज अहमद, रविंद्र कुमार, कुलदीप राजपूत, मोहम्मद शाकिर आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी साधु संत समाज सेवी संजीव चौहान के डबल फाटक स्थित आवास पर पहुंचे। जहां उनका भक्तों ने जोरदार स्वागत किया।

पूजा हॉस्पिटल के स्वामी डॉक्टर संदीप अग्रवाल ने भी अपने हॉस्पिटल में महंत रामानंद गिरी जी वह अन्य सभी साधु संतों का स्वागत किया।

बीके इंटरनेशनल स्कूल में ताइक्वांडो कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता आयोजित

✹ एनसीआर टुडे. नहटौर ✹

बी. के. इंटरनेशनल स्कूल में ताइक्वांडो कलर बेल्ट टेस्ट प्रतियोगिता का आयोजन जिला बिजनौर ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजू राजपूत जी की देखरेख में किया गया।

इस प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों से 20 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। येलो बेल्ट के लिए अंश शर्मा, अनस, युवराज, दृश्य पाल, ईशू शर्मा, रीवा भारती, दीक्षा, तुषार सैनी, कौशल, रचित कुमार, वैभव वर्मा, शिवा सिंह, ग्रीन बेल्ट के लिए श्रद्धा दक्ष, परी, ग्रीन वन बेल्ट के लिए पल्लवी, देव राजपूत ब्लू बेल्ट के लिए सुनैना, मोहम्मद उमेर रेड बेल्ट के लिए लवकुश कुमार तथा रेड वन के लिए स्वाति ने प्रतिभाग किया।

नहटौर ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एकेडमी के कोच एवं नेशनल रेफरी चमन सैनी ने बताया कि नहटौर क्षेत्र में नहटौर ताइक्वांडो स्पोर्ट्स एकेडमी एकमात्र ऐसी एकेडमी है जो एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त है।

इस एकेडमी से खिलाड़ी ताइक्वांडो प्रशिक्षण प्राप्त कर राज्य स्तरीय तथा नेशनल स्तरीय प्रतियोगिताओं में मेडल प्राप्त कर रहे हैं और भारतीय खेल प्राधिकरण में भी खिलाड़ियों का चयन हो रहा है। डिस्ट्रिक्ट बिजनौर ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजू राजपूत जी तथा बी के इंटरनेशनल स्कूल नहटौर के प्रबंधक महोदय शिल्पी कुमार अग्रवाल ने सभी खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मुसलमानो को अपने अखलाक दुरुस्त करना बेहद जरूरी: मौलाना अब्दुल रहमान

✹ एनसीआर टुडे. नहटौर ✹

थाना क्षेत्र के गांव अलीनगर के मदरसा इस्लामिया अरबिया कमरुल उलूम जदीद में इस्लाही मजलिस को खिताब करते हुए नौगांवा से तशरीफ लाए बेहद प्रसिद्ध मौलाना अब्दुल रहमान व मौलाना निजामुद्दीन साहब ने संयुक्त रूप से फरमाया कि आज मुसलमानो को अपने

अखलाक दुरुस्त करने की जरुरत है, इखतिलाफात को मिटाने और आपसी भेदभाव को खत्म करने की जरूरत है। एक दूसरे के दुःख दर्द में शरीक होने और एक दूसरे के साथ सच्ची हमदर्दी और मोहब्बत की जरूरत है।

साहाबा इकराम राजी.अल्लाहु अन्हु का तो ये हाल था के इस्लाम लाने के बाद उन्होंने अपने पुरतो का झगड़ा खत्म कर दिया और हमारा ये हाल है की हम मुसलमान के घर पैदा हुए मुस्लिम घराने में पले बढ़े खुदा के फजल व करम से इस्लाम की दौलत हमको नसीब हुई।

मगर हम हैं के अपने आपस के इखतिलाफात को खत्म करने के बजाय बढ़ावा देने मे लगे है। रंजीशो को भूलां कर मोहब्बत कायम करो, भाईचारा पैदा करो और तुम सब मिलकर अल्लाह की रस्सी को मजबूती से पकड़ लो कामयाबी तुम्हारे कदम चुमेगी। उन्होंने हदीस का हवाला देते हुए कहा की अल्लाह और उसके रसूल के बताए हुए तरीके में 100 प्रतिशत कामयाबी है दुनिया मे भी और आखिरत मे भी।

अगर अल्लाह और उसके रसूल के खिलाफ जाओगे तो दोनो जहाँ मे नाकामी है। और हमें दोनो जहाँ मे कामयाबी हासिल करनी है। अंत मे मौलाना अब्दुल रहमान ने कौम की तरक्की और वतन की खुशहाली के लिए दुआ कराई।

मौलाना असजद रहमानी की निजामत में।आयोजित मजलिस में हाजी मतलूब अहमद, मो राशिद, मो॰ आफताब, मास्टर शोएब, मास्टर उवैस, हाजी कमालुद्दीन इकबाल प्रधान, तनवीर अंसारी, मोहम्मद आदिल, कारि मुजम्मिल (सदर मदरसा हाजा अलीनगर) सहित सैकड़ो अकीदतमंदों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

अमरोहा रवाना हुआ राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का जत्था

✹ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✹

राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का एक जत्था जिला अमरोहा के दौराला पहुंचा जहां संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार वी एम किसानों को सम्बोधित करने आ रहे हैं।

जत्था जिला उपाध्यक्ष ठाकुर नरेंद्र सिंह के नेतृत्व में रवाना हुआ। टीम में शामिल ब्लाक संरक्षक प्रधान ध्यान सिंह गोविंद उर्फ बिट्टू जिला अध्यक्ष जिला कोषाध्यक्ष राकेश कुमार-बिरजन सिंह गुर्जर युवा जिला उपाध्यक्ष विकास कुमार ब्लाक सचिव नरेंद्र सिंह आदि दर्जनों किसानों का जत्था किसान नेता के स्वागत सम्मान समारोह में शामिल होने पहुंचा।

डॉ भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स क्लब गुरु रविदास महासभा फर्स्ट क्लास छात्र-छात्राओं करेगी सम्मानित

✹ एनसीआर टुडे. नगीना ✹

नगीना में पहली बार डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स क्लब व संत शिरोमणि गुरु रविदास महासभा के द्वारा एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। डॉक्टर भीमराव अंबेडकर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता व ST/SC के विद्यार्थी जिन्होंने इस वर्ष 2025 को हाई स्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा 70% से पास की है।

उन माधवी छात्र-छात्राओं को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर स्पोर्ट्स क्लब व संत शिरोमणि गुरु रविदास महासभा द्वारा सम्मानित किया जाएगा। और अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के छात्राओं ने किसी भी खेल प्रतियोगिता में भी अपने समाज का नाम रोशन किया है। उन विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 30 मई 2025 को एम एम इंटर कॉलेज नगीना में किया जाएगा।

सर्व समाज के तथा अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के समाज से विनती है कि आप अधिक से अधिक मात्रा में वहां पहुंचे और मेधवी छात्र छात्राओं का मार्गदर्शन करें। कार्यक्रम का समय -सुबह 8:00 से 1:00 बजे तक होगा।

ठक-ठक गिरोह का इनामी बदमाश गिरफ्तार

✹ एनसीआर टुडे. नोएडा ✹

सेक्टर-58 थाने की पुलिस ने शनिवार रात ठक-ठक गिरोह के बदमाश को गिरफ्तार किया। उस पर गैंगस्टर एक्ट के मामले में 20 हजार का इनाम घोषित था।

आरोपी की पहचान मेरठ के श्याम नगर निवासी आसिम उर्फ हाशिम उर्फ लड्डन के रूप में हुई। एडीसीपी सुमित कुमार शुक्ला ने बताया कि पुलिस ने सितंबर 2024 में गिरोह का पर्दाफाश कर मुठभेड़ में चार बदमाशों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। आरोपियों में आसिम के अलावा एजाज, उमर दराज और खुर्रम शामिल थे।

ये लोग दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, बरेली, बुलंदशहर, अलीगढ़ आदि जनपदों में जाम वाले स्थान पर वारदात करते थे। चोरी के मोबाइल फोन को ये अपने साथियों के माध्यम से बेच देते थे।

पिछले दिनों गिरोह के खिलाफ गैंगस्टर ऐक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी पर 20 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया था। पुलिस ने शनिवार रात सेक्टर-59 मेट्रो स्टेशन के पास से आसिम को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी ठक-ठक गिरोह के जालिम गैंग के नाम से कुख्यात हैं। वे अपने को मेरठ में जालिम गैंग के नाम से प्रसिद्ध करना चाह रहे थे। आसिम और उसके साथी दिल्ली-एनसीआर में ज्यादा ट्रैफिक वाले सिग्नल पर रुकी गाड़ी का शीशा खटखटाते। गाड़ी में बैठा व्यक्ति शीशा नीचे करता तो उसे पीछे रोड पर हादसा करने का आरोप लगाकर बातों में उलझा लेते। तभी इनमें से दूसरा व्यक्ति गाड़ी से मोबाइल और अन्य कीमती सामान चोरी कर लेता।

इंद्रप्रस्थ के लोग लोनी विधायक से मिले

एनसीआर टुडे. गाजियाबाद। इंद्रप्रस्थ आवासीय योजना के लोग रविवार को लोनी विधायक नंद किशोर गुर्जर से मिले। लोगों ने कहा कि अधूरी विकसित उनकी कॉलोनी में जीडीए अब काम नहीं कर रहा। इसीलिए उन्होंने रुपये जोड़कर पहले सड़कों की मरम्मत की थी। अब मुख्य मार्ग का निर्माण कराने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

सड़क हादसे में दो की मौत, एक घायल

एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा। ईकोटेक-3 कोतवाली क्षेत्र के चौगानपुर गांव में हुए हादसे में एक युवती (19) की जान चली गई। मृतका काजल मूलरूप से थाना नोहझील मथुरा की निवासी थी। वर्तमान में अपनी मां के साथ चौगानपुर में रह रही थी। परिजन का कहना है कि 19 मई की शाम वह गांव खेड़ा चौगानपुर में रोड पर जा रही थी। तभी एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में काजल के सिर में गंभीर चोट आई और उसे तत्काल इलाज के लिए कासना स्थित जिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान ही काजल ने दम तोड़ दिया।

संपादकीय

मध्य प्रदेश में पर्यटन के चटख रंग

भारत का हृदय मध्य प्रदेश अपनी नैसर्गिक सुन्दरता, आध्यात्मिक ऊर्जा और समृद्ध विरासत के चलते सदियों से यात्रियों को आकर्षित करता रहा है। आत्मा को सुख देनेवाली प्रकृति, गौरव की अनुभूति करानेवाली धरोहर, रोमांच बढ़ानेवाला वन्य जीवन और विश्वास जगानेवाला अध्यात्म, इन सबका मेल मध्य प्रदेश को भारत के अन्य राज्यों से अलग पहचान देता है।

इस प्रदेश में प्रत्येक श्रेणी के पर्यटकों के लिए कई चुम्बकीय स्थल हैं, जो उन्हें बरबस ही अपनी ओर खींच लेते हैं। यह प्रदेश उस बड़े हृदय के मेजबान की तरह है, जो किसी भी अतिथि को निराश नहीं करता है। वैभव की इस भूमि पर पराक्रम की गाथाएं सुनाते और आसमान का मुख चूमते दुर्ग हैं। भारत का जिब्राल्टर ग्वालियर का किला, महेश्वर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का राजमहल, मांडू का जहाज महल, दतिया में सतखंडा महल, रायसेन का दुर्ग, दुर्गावती का मदन महल, जलमग्न रहनेवाला रानी कमलापति का महल और गिन्नौरगढ़ सहित अनेक किले हैं, जो मध्य प्रदेश के स्थापत्य की विविधता का बखान करते हैं। देवों के चरण भी इस धरा पर पड़े हैं। उज्जैन, जहां योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण पढ़े। चित्रकूट, जहां प्रभु श्रीराम माता सीता और भ्राता लखन सहित वनवास में रहे।

ओंकारेश्वर, जहां आदि जगद्गुरु शंकराचार्य ने आचार्य गोविन्द भगवत्पाद से दीक्षा ली। मध्य प्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग-महाकाल और ओंकारेश्वर हैं। इसके साथ ही भगवान शिव ने कैलाश और काशी के बाद अमरकंटक को परिवार सहित रहने के लिए चुना है। एक ओर जहां द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण प्रतिवर्ष मुरैना में आकर ढाई दिन रहते हैं तो वहीं ओरछा में राजा राम का शासन है। महारानी कुंवर गणेश के पीछे-पीछे श्रीराम अयोध्या से ओरछा तक चले आये थे। ओरछा राजाराम के मंदिर के लिए ही नहीं, अपितु अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है। मध्य प्रदेश अपने वनों के लिए भी प्रसिद्ध है। सतपुड़ा के घने जंगल का तो अद्भुत वर्णन कवि भवानी प्रसाद मिश्र की कविता में आता ही है। चंबल नदी के भरकों से लेकर कटनी, उमरिया और जबलपुर से लगा शाहडार का जंगल भी रोमांचक यात्राओं का ठिकाना है। मेकल पर्वत पर सदानीरा मां नर्मदा का उद्गम स्थल ही नहीं, अपितु वहां का सघन वन भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। मध्य प्रदेश भारत का इकलौता राज्य है जहां सर्वाधिक 12 राष्ट्रीय उद्यान हैं। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, शिवपुरी, पन्ना और कई अन्य राष्ट्रीय उद्यान लोगों को वन्य जीवन को देखने का दुर्लभ, रोमांचपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। मध्य प्रदेश सफेद बाघ मोहन का ही घर नहीं है, अपितु यह रहस्य और कौतूहल बढ़ानेवाले बालक मोगली का भी जन्मस्थान है।

सर विलियम हेनरी स्लीमन ने 'एन एकाउंट ऑफ वाल्वस नरचरिंग चिल्ड्रन इन देयर डेन्स' शीर्षक से लिखे अपने एक दस्तावेज में उल्लेख किया है कि मध्य प्रदेश के सिवनी जिले के जंगल (पेंच टाइगर रिजर्व) में मोगली का घर था। वाइल्ड लाइफ पर्यटन मध्य प्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाता है। वन्य जीवों के संरक्षण के कारण मध्यप्रदेश के पास 'टाइगर स्टेट' के साथ ही 'द लेपर्ड स्टेट' और 'घड़ियाल स्टेट' का दर्जा भी है। बाघ देखने के लिए न केवल देशभर से बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से भी लोग मध्यप्रदेश में आते हैं। भिंड और मुरैना के समीप स्थित चम्बल सफारी तो घड़ियाल संरक्षण का बड़ा केंद्र बन गई है। कभी डाकुओं के लिए कुख्यात रहे चंबल के बीहड़ अब डॉल्फिन के लिए प्रसिद्ध हैं। भारत में गंगा के बाद सबसे अधिक डॉल्फिन चंबल सफारी में पाए जाते हैं। जनजातीय संस्कृति से साक्षात्कार करने का अवसर भी मध्य प्रदेश देता है। मंडला, उमरिया, छिंदवाड़ा, बालाघाट, झाबुआ और अनूपपुर में कई स्थान हैं, जो पर्यटन के तौर पर विकसित किये गए हैं। कुछ समय के लिए दुनिया की भागम-भाग से दूर प्रकृति की गोद में सुख की अनुभूति करने के लिए तामिया और पातालकोट जैसे स्थान भी हैं, जो आम पर्यटकों से छुपे हुए हैं। वहीं, मढ़ई, तवा, परसिली, हनुमंतिया जैसे अनेक स्थल भी हैं, जिन्हें पर्यटन गतिविधियों का केंद्र बनाया जा रहा है। पर्यटकों द्वारा खोजे जा रहे नये पर्यटन स्थलों को भी व्यवस्थित करने में मध्य प्रदेश की सरकार अग्रणी है। इंदौर के समीप महू से पातालपानी-कालाकुंड तक चलनेवाली हेरिटेज ट्रेन भी सीटी बजाकर उन पर्यटकों को बुलाती है, जो प्रकृति के नज़ारों में खोना चाहते हैं।

सब प्रकार के पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध मध्य प्रदेश के ऐसे अनेक स्थान हैं, जो अभी भी पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। वर्तमान में यूनेस्को की विश्व विरासत की सूची में मध्य प्रदेश के चार स्थल हैं-बुद्ध का सन्देश देते सांची के स्तूप, प्रागैतिहासिक सभ्यता के चिह्न भीमबेटिका, सौंदर्य के साक्षी खजुराहो के साथ त्यागमय संस्कृति का प्रतीक ओरछा। ये चारों ही स्थान विदेशी पर्यटकों को लुभाते हैं। मध्य प्रदेश का कोई कोना ऐसा नहीं है, जो पर्यटन की दृष्टि से मरुस्थल हो। ग्वालियर के आसपास ककनमठ, मितावली, पड़ावली, दतिया, सोनागिर, ओरछा, चंदेरी और शिवपुरी का एक ट्रेवल रूट बनता है। भोपाल के आसपास सांची, विदिशा, ग्यारसपुर, उदयगिरी की गुफाएं, भोजपुर, भीमबेटका, देलावाडी और रायसेन एक पर्यटन स्थल समूह बनता है।

इंदौर को केंद्र मानकर उज्जैन, हनुमंतिया, ओंकारेश्वर, ब्रह्मपुर (बुरहानपुर), महेश्वर और मांडू का एक पर्यटन स्थल का समूह बनता है। वहीं, जबलपुर से भेड़ाघाट, बरगी, बांधवगढ़, अमरकंटक, कान्हा और पेंच जा सकते हैं। खजुराहो के साथ ओरछा, अजयगढ़, चित्रकूट, मुकुंदपुर वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी, संजय राष्ट्रीय उद्यान, मैहर और हीरों के साथ पन्ना के जंगलों के लिए प्रसिद्ध पन्ना के पर्यटन स्थल घूमे जा सकते हैं। उधर, सतपुड़ा की रानी पचमढ़ी के साथ मढ़ई, तवा, तामिया और पातालकोट का एक पर्यटन समूह बनता है। मध्य प्रदेश के पर्यटन, उसकी समृद्ध विरासत और गौरव का दर्शन करना है तो एक बार मध्यप्रदेश माम पढ़-सुन लेना चाहिए। वैसे तो मध्य प्रदेश का वर्ष के किसी भी समय दौरा किया जा सकता है। मध्य भारत में स्थित होने के कारण, मध्य प्रदेश की जलवायु आमतौर पर गर्म और शुष्क होती है। परन्तु अच्छा होगा कि अक्टूबर से मार्च के बीच मध्य प्रदेश घूमने की योजना बनाई जाए। इस दौरान यहां का तापमान अनुकूल होता है और बारिश के बाद कई पर्यटन स्थल अपने पूर्ण सौंदर्य के साथ उपस्थित होते हैं। प्रदेश में सर्दियों का मौसम वन्यजीव अभयारण्यों, ऐतिहासिक स्थलों, नदी घाटियों और प्राचीन मंदिरों में जाने के लिए एकदम सही है।

नीति नीयत सब नापाक, फिर भी कहिये 'पाकिस्तान?

तनवीर जाफ़री

स्वतंत्रता पूर्व 1941 में ब्रिटिश हुकूमत द्वारा कराई गयी भारत की जनगणना के अनुसार अविभाजित भारत की कुल जनसंख्या लगभग 39-40 करोड़ थी। जिसमें मुस्लिम आबादी लगभग 24-25% थी। इस आधार पर अविभाजित भारत में मुस्लिम जनसंख्या लगभग 9.5 से 10 करोड़ के आसपास थी।

1947 के विभाजन के समय भारत की कुल मुस्लिम आबादी का लगभग 35-40% हिस्सा पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान (1971 के बाद का बांग्लादेश) चला गया। जिन भारतीय राज्यों के अधिकांश मुस्लिम भारत छोड़कर गये उनमें ख़ासतौर से पंजाब, सिंध, और उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत जैसे क्षेत्रों के मुस्लिम शामिल थे। पूर्वी बंगाल या पूर्वी पाकिस्तान में पहले से ही मुस्लिम बहुसंख्यक थे, इसलिए वहां अपेक्षाकृत कम प्रवास हुआ।

विभाजन के समय मुस्लिम आबादी का लगभग 60-65% हिस्सा भारत में ही रह गया। भारत में ही रहने का फ़ैसला करने वाले अधिकांश मुस्लिम ख़ास तौर से उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश व कई दक्षिणी राज्यों के थे। पाकिस्तान के अस्तित्व में आने के समय जो प्रक्रिया अपनाया गयी वह अत्यंत हिंसक और अव्यवस्थित थी जिसमें सभी धर्मों के लाखों लोग मारे गये।

बहरहाल, कहने को तो भारत से विभाजित होकर पाकिस्तान का गठन विश्व के सबसे बड़े मुस्लिम राष्ट्र निर्माण जैसे दुःस्वप्न को लेकर किया गया था। इसी मुहिम के अंतर्गत 1943 में उर्दू शायर असग़र सौदाई ने यह नारा लिखा था- 'पाकिस्तान का मतलब क्या है, 'ला इलाहा इल्लललाह'। यह नारा हालांकि उस समय मुस्लिम लीग द्वारा अपनाया गया था परन्तु आज वहां कि न केवल अनेक कट्टरपंथी धार्मिक पार्टियाँ बल्कि वहाँ पनाह पा रहे अनेक आतंकी संगठन भी समय समय पर इस नारे का इस्तेमाल करते हैं। परन्तु यदि हम पाकिस्तान के गठन की घोषित मंशा और इस्लामी कलमे को पाकिस्तान के नाम के साथ इस्तेमाल करने की हक़ीक़त को देखें तो हमें सब कुछ उल्टा नज़र आता है। हक़ीक़त तो यह है कि पाकिस्तान ने अपने वजूद में आते ही सिवाय नफ़रत, हिंसा, क्षेत्रवाद, फ़िरक़ा परस्ती, भ्रष्टाचार, अल्पसंख्यकों पर ज़ुल्म व आतंकवाद के सिवा दुनिया को कुछ दिया ही नहीं। अन्यथा प्राकृतिक सम्पदाओं से परिपूर्ण 1971 से पहले के इस भूभाग को आज दुनिया में आर्थिक व राजनैतिक रूप से इतना कमज़ोर व अलग थलग न रहना पड़ता।

पाकिस्तान की सत्ता एक तरफ़ तो पाकिस्तान का मतलब ला इलाहा इल्लल्लाह बताते हैं दूसरी तरफ़ इसी देश की सेना लगभग 30 लाख बंगाली मुसलमानों की हत्या कर देती है। जब पाकिस्तान ला इलाहा इल्लल्लाह के नारे के साथ अलग हुआ तो क्या कारण था कि बांग्लादेश का गठन यानी क्षेत्रवाद इस्लामी नारे पर भारी पड़ गया? यह आख़िर कैसा इस्लाम है तो कैसा ला इलाहा इल्लल लाह? इसी पाकिस्तान पर 40 लाख अफ़ग़ानी मुसलमानों का आरोप है।

इसी 'अल्लाह वाली ' पाकिस्तानी सेना पर दो लाख से अधिक बलूचों की हत्या का भी इलज़ाम है। आरोप तो यह भी है कि पाकिस्तानी सेना बलूच लोगों के घरों में आग लगाती है, उनके खेतों और बाग़ों को नष्ट करती है, और बलोची युवाओं को अपहृत कर उनकी आंखें, दिल, और गुर्दे जैसे अंग बेच देती है। क्या यही पाकिस्तान के अशितत्व में आने का मक़सद था? आज पाकिस्तान पर बलूचिश्तान में पाकिस्तानी सेना द्वारा 'जातीय सफ़ाया' और 'नरसंहार' करने जैसा संगीन इलज़ाम है। ज़ियाउलहक़ के शासनकाल में उर्दन में 10 हज़ार फ़िलिश्तीनी एक ही रात में मारने का आरोप इसी पेशेवर पाक सेना पर है। यह कैसा इस्लामी देश है? इसी पाकिस्तान पर भारतीय कश्मीर में गत छः दशकों से आतंकवाद व अशांति फैलाने का आरोप है।

भारत में जगह जगह आतंकवादी हमले कराने जैसा अमानवीय व ग़ैर इस्लामी काम पाकिस्तान करता रहा है। मस्जिदों से लेकर दरगाहों, इमामबारगाहों व धार्मिक जुलूसों पर आत्मघाती हमले करने वाले हमलावरों की पैदावार तैय्यार करने वाला पाकिस्तान जब यह कहे कि पाकिस्तान का मतलब, ला इलाहा इल्लललाह, तो इससे बढ़कर अफ़सोसनाक व शर्मनाक बात और क्या हो सकती है? इसी नफ़रत की सियासत ने ज़ुल्फ़िक़ार अली भुट्टो को फांसी के फंदे तक पहुंचा दिया। कल पाकिस्तान ने जिन तालिबानों की सरपरश्ती की थी वही आज पाकिस्तान के लिये बड़ी चुनौती बन चुके हैं। अफ़ग़ानिश्तान में भी चार लाख लोगों की हत्या का इलज़ाम पाकिस्तान पर है।

कहना ग़लत नहीं होगा कि स्वयं को लाइलाहा इल्लल्लाह का झंडाबरदार बताने वाले पाकिस्तान जैसे देश ने जितने मुसलमानों की हत्या की उतनी हत्याएं किसी अन्य मुस्लिम राष्ट्र ने नहीं की।

उसके बावजूद बड़ा आश्चर्य होता है जब पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर आज भी द्विराष्ट्र सिद्धांत की बात को दोहराते हुए हिंदू और मुसलमान को जीवन के हर पहलू में भिन्न बताते हैं। यदि हिन्दू मुसलमानों से भिन्न हैं तो बंगाली मुसलमान तो एक थे? शिया, अहमदिया, बरेलवी तो ला इलाहा इल्लललाह कहते हैं? इनके प्रति क्या व्यवहार है पाकिश्तानी सत्ता व सेना का? यदि पाकिश्तान की नीयत में खोट न होती तो 1971 जैसा ऐतिहासिक अपमान पाकिश्तानी सेना को सहन न करना पड़ता। आज दुनिया में पाकिश्तान की पहचान आतंकवाद के केंद्र के रूप में हो चुकी है। उसके बाद तुर्रा यह कि भारत जैसे पड़ोसी देश को परमाणु हमले की धमकी देता रहता है। भारत में धार्मिक उन्माद फैलाने के नित्य नए हथकंडे अपनाता है। हक़ीक़त तो यह है कि भारत में हिंदू और मुसलमान उतने भिन्न नहीं हैं जितने कि पाकिश्तान में मुसलमानों के ही विभिन्न वर्ग 'ला इलाहा इल्लल अल्लाह' कहने वालों के ही दुश्मन बने हुए हैं।

यह सच है कि दक्षिणपंथी विचारधारा के दल आज सत्ता में हैं परन्तु फिर भी महात्मा गाँधी का यह देश यहाँ के बहुसंख्य हिन्दू समाज के चलते तथा भारतीय संविधान की वजह से आज भी दुनिया का सबसे बड़ा धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र है। 1947 के पहले भी समग्र भारतीय मुसलमानों ने किसी मुसलमान को अपना नेता स्वीकार नहीं किया और आज भी यहाँ के मुसलमान देश के विभिन्न धर्मनिरपेक्ष दलों को अपना समर्थन देते हैं।

मुसलमानों पर आने वाले किसी भी संकट के समय भारतीय धर्मनिरपेक्ष हिन्दू व सिख सभी उनके साथ खड़े होते हैं। ख़ुद अटल बिहारी वाजपेयी कह चुके हैं कि भारत की धर्मनिरपेक्षता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या भाजपा जैसे संगठनों के कारण नहीं, बल्कि हिंदू समुदाय की सहिष्णु और समावेशी प्रकृति के कारण बनी हुई है। गोया वर्तमान समय में अनेक संकटों के बावजूद भारत, मुसलमानों के लिये सबसे सुरक्षित देश है। यहाँ कुछ भी हुआ हो परन्तु ऑपरेशन लाल मस्जिद जैसी घटना कभी नहीं घटी। इसलिए आज का सबसे बड़ा सवाल यही है कि जिस देश की नीति और नीयत सब कुछ 'नापाक' हो फिर भी उसे 'पाकिश्तान ' कहना कितना मुनासिब होगा?

पूर्वोत्तर के लिए प्रधानमंत्री का ग्रैंड विजन

एस. सुनील

प्रधानमंत्री ने राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट में एक और बहुत खास बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत को सर्वाधिक विविधता वाला देश मानती है। उसमें भी हमारा पूर्वोत्तर भारत का सर्वाधिक विविधता वाला क्षेत्र है। यह विविधता भारत की और पूर्वोत्तर की शक्ति है।

यह अब सिर्फ पूर्व और दक्षिण पूर्व के देशों के साथ भारत का गेटवे नहीं है, बल्कि विकास और संभावनाओं का क्षेत्र बन गया है, जो भारत के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट, 2025 प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पूर्वोत्तर के विकास के ग्रैंड विजन को प्रतीकित करने वाला आयोजन था। अब तक देश के अलग अलग हिस्सों में निवेशकों के सम्मेलन होते थे, जहां कारोबार की संभावनाएं बेहतर होती थीं, जहां पहले से बुनियादी ढांचा विकसित रहता था, जहां कनेक्टिविटी बेहतर होती थी वहां निवेशक ज्यादा पैसा निवेश करते थे।

पहली बार ऐसा हुआ कि उत्तर पूर्व में बुनियादी ढांचे के विकास पर इतना जोर दिया जा रहा है, उसे विकास की मुख्यधारा से जोड़ने की कोशिश हो रही है और निवेशकों का सम्मेलन हुआ, जिसमें एक दिन में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का प्रश्ताव आ गया। तभी जब प्रधानमंत्री ने शुक्रवार, 23 मई को नई दिल्ली के भारत मंडपम में कहा कि भारत का अपना पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर उत्तर पूर्व देगा तो यह सिर्फ उत्तर पूर्व के आठ राज्यों के लिए नहीं, बल्कि समूचे हिंदुश्तान के लिए गर्व की बात थी।

पहले की सरकारों ने जिस क्षेत्र की अनदेखी की। उसे अपने हाल पर छोड़े रखा। वहां चरमपंथ और अलगाव की भावना को दूर करके सशस्त्र संघर्ष खत्म कराने का कोई गंभीर प्रयास नहीं किया वहां से भारत का अपना पहला स्वदेशी सेमीकंडक्टर बनेगा। यह घोषणा अपने आप में पिछले 11 साल में उत्तर पूर्व में हुए बदलाव की कहानी बयान करती है। आज उत्तर पूर्व के राज्यों में शांति हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राज्यों के बीच सीमा विवादों का निपटारा करने के लिए और सशस्त्र संघर्ष में शामिल समूहों के साथ अनेक समझौते कराए। स्थायी शांति बहाली के साथ ही पूरे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के विकास की गति तेज हो गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने निवेशकों के सम्मेलन में बताया कि पूर्वोत्तर के राज्यों में 11 हजार किलोमीटर हाईवे का निर्माण हुआ है और इसी अनुपात में रेल लाइनों का विश्तार किया गया है। केंद्र सरकार के सहयोग से पूरे उत्तर पूर्व में सड़क और रेल परिवहन में व्यापक सुधार हुआ और कनेक्टिविटी बढ़ी।

बुनियादी ढांचे के विकास, खास कर कनेक्टिविटी बढ़ने की वजह से पूर्वोत्तर में विकास और निवेश की संभावनाएं बढ़ीं। पिछले साल अगश्त में टाटा समूह ने असम में 27 हजार करोड़ रुपए के निवेश से सेमीकंडक्टर की फैक्टरी का ऐलान किया, जहां से भारत का पहला अपना स्वदेशी सेमीकंडक्टर बनेगा। इसके साथ ही सेमीकंडक्टर के साथ साथ इस पूरे सेक्टर और नई तकनीक के लिए पूर्वोत्तर का दरवाजा खुल जाएगा। प्रधानमंत्री ने बताया कि केंद्र सरकार पनबिजली और सौर ऊर्जा के क्षेत्र में बड़ा निवेश कर रही है।

यह भी उनके ग्रैंड विजन को बताने वाला है। ध्यान रहे किसी भी राज्य क्षेत्र में सड़क व रेल कनेक्टिविटी के साथ साथ ऊर्जा और लॉजिस्टिक्स का नेटवर्क हो तो उसे विकसित होने से कोई नहीं रोक सकता है। केंद्र सरकार ने इन सभी क्षेत्रों में पूर्वोत्तर में निवेश को प्राथमिकता दी। इस वजह से अब पूर्वोत्तर के राज्य विकास की नई छलांग लगाने को तैयार हैं। प्रधानमंत्री ने राइजिंग नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टर्स समिट में एक और बहुत खास बात कही। उन्होंने कहा कि दुनिया भारत को सर्वाधिक विविधता वाला देश मानती है।

उसमें भी हमारा पूर्वोत्तर भारत का सर्वाधिक विविधता वाला क्षेत्र है। यह विविधता भारत की और पूर्वोत्तर की शक्ति है। यह अब सिर्फ पूर्व और दक्षिण पूर्व के देशों के साथ भारत का गेटवे नहीं है, बल्कि विकास और संभावनाओं का क्षेत्र बन गया है, जो भारत के सर्वांगीण विकास में अहम भूमिका निभाएगा। आने वाले दिनों में भारत और आसियान देशों के कारोबार में कई गुना बढ़ोतरी होगी और उसमें पूर्वोत्तर का महत्वपूर्ण योगदान होगा।

निवेशकों के सम्मेलन में पूर्वोत्तर के सभी राज्यों-अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया और देश के तमाम शीर्ष उद्योगपति इसमें शामिल हुए। डिपार्टमेंट ऑफ नॉर्थ ईस्ट रीजन ने इस निवेशक सम्मेलन का आयोजन किया। देश के शीर्ष उद्योगपतियों ने पूर्वोत्तर में एक लाख करोड़ रुपए के निवेश की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने ऊर्जा और सेमीकंडक्टर दोनों सेक्टर में पूर्वोत्तर को हब बनाने का ऐलान किया। इसके साथ साथ पर्यटन, कृषि खास कर जैविक कृषि, खाद्य प्रसंस्करण आदि के सेक्टर में बड़े विकास की संभावनाओं को रेखांकित किया गया। देश के तीन शीर्ष उद्योग समूहों ने एक लाख करोड़ रुपए के निवेश का प्रश्ताव दिया, जिससे नए रोजगार के अवसर बनेंगे और विकास की नई इबारत लिखी जाएगी। ध्यान रहे केंद्र सरकार के निवेश और पूर्वोत्तर के राज्यों को मुख्यधारा में शामिल करने की नीतियों के कारण निजी सेक्टर के निवेश में बढ़ोतरी हुई है और अब उम्मीद की जा रही है कि आने वाले दिनों में वैश्विक निवेश में भी बढ़ोतरी होगी। अलग अलग सेक्टर में दुनिया भर के निवेशक पूर्वोत्तर में निवेश के लिए आकर्षित होंगे।

प्रधानमंत्री अगले सप्ताह पूर्वोत्तर के दौरे पर भी जाएंगे। यह ऐतिहासिक दौरा होगा। प्रधानमंत्री 29 मई को सिक्किम के दौरे पर जाएंगे। सिक्किम भारत का 22वां राज्य बनने की स्वर्ण जयंती मना रहा है। ठीक 50 साल पहले सिक्किम भारत का 22वां राज्य बना था। 2019 में राज्य में प्रेम सिंह तमांग (गोले) के नेतृत्व में सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा की सरकार बनमे के बाद पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिक्किम के दौरे पर जा रहे हैं। यह भी पूर्वोत्तर के राज्यों के विकास और पिछली सरकारों के समय बिल्कुल उपेक्षित छोड़ दिए गए क्षेत्र के विकास और मुख्यधारा में उनको शामिल करने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को दिखाता है।

सिक्किम के जनप्रिय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने मंगलवार, 20 मई को प्रधानमंत्री से मुलाकात की और उन्होंने सिक्किम के स्वर्ण जयंती समारोह का हिस्सा बनने का निमंत्रण दिया, जिसे प्रधानमंत्री ने स्वीकार कर लिया। मुख्यमंत्री ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से मुलाकात की है और सभी ने सिक्किम के 50वें राज्यत्व के समारोह में सम्मिलित होने की सहमति दी है। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, कृषि व किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान और ऊर्जा व शहरी विकास मंत्री मनोहर लाल खट्टर भी सिक्किम के राज्यत्व के समारोह में शामिल होने पर सहमत हुए हैं।

प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद सिक्किम के लोकप्रिय मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर स्वंय उनके सिक्किम के दौरे की जानकारी दी थी और लिखा था "सिक्किम के राज्यत्व की 50वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में चल रहे शानदार समारोहों के हिस्से के रूप में, मुझे आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी से मुलाकात करने का विशिष्ट सम्मान प्राप्त हुआ"।

उन्होंने आगे लिखा, "सिक्किम के लोगों की ओर से मुझे वर्ष भर चलने वाले राज्य दिवस समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री को औपचारिक निमंत्रण देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि उन्होंने निमंत्रण स्वीकार कर लिया है और 29 मई 2025 को हमारे साथ इस ऐतिहासिक मील के पत्थर को मनाने के लिए हमारे खूबसूरत हिमालयी राज्य की यात्रा करने की इच्छा व्यक्त की है"। मुख्यमंत्री ने इस मुलाकात में ऑपरेशन सिंदूर सफलता पर प्रधानमंत्री को बधाई दी।

उन्होंने कहा, "इस मिशन के सफल क्रियान्वयन से राष्ट्रीय गौरव को काफी बढ़ावा मिला है तथा वैश्विक मंच पर भारत की ताकत और संकल्प की पुष्टि हुई है"। मुख्यमंत्री ने लिखा, "आइए हम सब मिल कर अपने प्रिय प्रधानमंत्री का हमारे राज्य सिक्किम में भव्य स्वागत करें। उस दिन प्रधानमंत्री का स्वागत करने के लिए लगभग एक लाख लोग पालजोर स्टेडियम में मौजूद रहेंगे"।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) की अटूट श्रद्धा और आस्था उस समय भी प्रकट हुई थी, जब उन्होंने दो जून 2024 को सिक्किम के चुनाव परिणाम के बाद केंद्र सरकार को समर्थन की घोषणा की थी और अब भी प्रधानमंत्री की यात्रा को लेकर उन्होंने कहा है कि उनकी राज्य के लिए अलग से किसी चीज की मांग नहीं है वे सिर्फ प्रधानमंत्री का आशीर्वाद चाहते हैं। सिक्किम जैसे छोटे से राज्य के मुख्यमंत्री का इतना बड़ा दिल है कि उन्होंने कहा कि उन्हें सिर्फ प्रधानमंत्री का आशीर्वाद चाहिए। यह देख सुन कर महाभारत का प्रसंग याद आता है, जहां धर्मराज युधिष्ठिर ने अक्षौहिणी सेना की बजाय भगवान श्रीकृष्ण का साथ और आशीर्वाद मांगा था। मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने अपनी इसी उदारता और विशाल हृद्य का परिचय कोरोना महामारी के समय भी दिया था। तब भी उन्होंने केंद्र से कुछ मांगने की बजाय यह कहा था कि वे साथ देना चाहते हैं। वे देश के लोगों के साथ खड़े होना चाहते हैं। वे इस मुश्किल घड़ी में कुछ मांगने की बजाय इससे बाहरर निकलने की प्रक्रिया में साझीदार बनना चाहते हैं। यह उनके बेमिसाल देशप्रेम का प्रतीक है।

बहरहाल, प्रधानमंत्री 29 मई को सिक्किम की यात्रा करेंगे परंतु पूरा पूर्वोत्तर का क्षेत्र ही उनके ग्रैंड विजन का हिस्सा है। उन्होंने पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को अष्ट लक्ष्मी कह कर संबोधित किया है। प्रधानमंत्री बनने के बाद यानी 2014 से ही उन्होंने पूर्वोत्तर के विकास को अपना लक्ष्य बनाया। पूर्वोत्तर के राज्यों और वहां के नागरिकों ने भी प्रधानमंत्री के इस आत्मीय लगाव को सम्मान दिया और एक अपवाद को छोड़ सभी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी या उसकी सहयोगी पार्टियों की सरकार बन गई। पूर्वोत्तर के राज्य दशकों तक भौगोलिक रूप से तो दूर रहे ही भावनात्मक दूरी भी झेलते रहे थे। प्रधानमंत्री के कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व में पूर्वोत्तर की भौगोलिक दूरी भी कम हुई है और भावनात्मक दूरी भी कम हुई है।

अब पूर्वोत्तर को समूचे देश के साथ जुड़ा हुआ महसूस किया जा सकता है। इस जुड़ाव को और गहरा किया प्रधानमंत्री के विकास के विजन ने। उन्होंने 2018 में नॉर्थ ईस्ट स्पेशल इंफ्रास्ट्रक्चर स्कीम का ऐलान किया, जिसके तहत जलापूर्ति और ऊर्जा सहित दूसरे ढांचागत विकास का राश्ता साफ हुआ।

यह ध्यान रखने की जरुरत है कि पूर्वोत्तर

इतिहास बना सियासी हथियार : मुस्लिम शासक पाठ्यक्रम से गायब

राम पुनियानी

नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 पर धीरे-धीरे अमल किया जा रहा है। अन्य बातों के अलावा, इसमें भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं भारतीय परंपराओं को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। इतिहास विषय के पाठ्यक्रम में यह बदलाव किया गया है कि दिल्ली सल्तनत एवं मुगल शासन का विवरण पुश्तकों से हटा दिया गया है। मतलब करीब सात सौ सालों के इतिहास को मिटा दिया गया है।

यह किसी भी पैमाने पर एक लंबा कालखंड है। एनसीईआरटी ने पहले मुगलों और दिल्ली सल्तनत का विवरण कम कर दिया था-जिसमें तुगलक, खिलजी, ममलुक और लोधी साम्राज्यों की जानकारी और दो पृष्ठों की तालिका, जिसमें मुगल सम्राटों की उपलब्धियां की जानकारी थी, को हटाना शामिल था। यह विवरण 2022-23 में कोविड-19 महामारी के दौरान पाठ्यक्रम को युक्तिसंगत बनाने के बहाने हटा दिया गया था। अब नई पाठ्यपुश्तक में उनका विवरण पूरी तरह से गायब कर दिया गया है। '

दिल्ली सल्तनत और मुगल शासकों का विवरण कक्षा 7 की पाठ्यपुश्तक से पूरी तरह हटा दिया गया है। इसके अलावा जिन अन्य पाठ्युपुश्तकों में जहां भी मुस्लिम शासकों का जिक्र था, उसे भी हटा दिया गया है। बाबरी मस्जिद ढ़हाए जाने के बाद मुंबई में हुई हिंसा (1992-1993) और गोधरा ट्रेन आगजनी के बाद गुजरात में हुई हिंसा (2002) का विवरण भी विलोपित कर दिया गया है।

कई अन्य बातों के अतिरिक्त नाथूराम गोडसे के एक प्रशिक्षित आरएसएस प्रचारक होने और गांधीजी की हत्या के बाद आरएसएस पर प्रतिबंध लगाए जाने की बात भी हटा दी गई है। कुंभ मेले का विवरण दिया गया है लेकिन वहां हुई भगदड़ में हुई मौतों और दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ का कोई जिक्र नहीं है।

इस सबकी शुरूआत कोविड के दौरान हुई जब विद्यार्थियों का बोझा कम करने के बहाने पाठ्यक्रम से कुछ सामग्री हटाई गई और उसके बाद 'युक्तियुक्तकरण' का तर्क देते हुए ऐसा किया गया। हटाया गया हिस्सा वह था जिसे लेकर हिंदू राष्ट्रवादी विचारधारा वाले असहज महसूस करते थे।

मुसलमानों का दानवीकरण करने और उनके खिलाफ घृणा फैलाने के लिए मुगलों को इतिहास के प्रमुखतम खलनायकों के रूप में प्रश्तुत किया जाता है। मुगलों के पहले के अलाउद्दीन खिलजी जैसे शासक भी हिंदुत्ववादी आख्यान के निशाने पर रहे हैं। अब तक मुसलमानों का दानवीकरण मुस्लिम राजाओं द्वारा मंदिरों को नष्ट किए जाने पर आधारित होता था, जिसे तर्कवादी इतिहासकार चुनौती देते रहे हैं। मुस्लिम राजाओं द्वारा तलवार की नोंक पर इस्लाम फैलाया जाना भी इसका एक आधार रहा है। यह बात पूरी तरह गलत है क्योंकि शुरूआती दौर में हिन्दुओं के इस्लाम स्वीकार करने की वजह मुस्लिम अरब व्यापारियों के साथ भारतीयों का मेल-मिलाप था। बाद में निचली जातियों के कई लोगों ने जाति प्रथा पर आधारित जुल्मों से मुक्ति पाने के लिए इस्लाम अपनाया।

हिंदुत्व विचारधारा तो इस हद तक आगे बढ़ गई है कि उसने इस कालखंड को अंधकारमय दौर बताया जिसमें हिंदुओं को व्यापक नरसंहार किया गया। इसमें कोई शक नहीं कि साम्राज्यों के दौर में राजनैतिक वजहों से युद्ध होना आम बात थी। राजा सदैव अपने साम्राज्य का विश्तार करना चाहते थे और इस प्रक्रिया में बहुत से लोगों को अपनी जान गवांना पड़ती थी। लेकिन इसे व्यापक नरसंहार बताना पूरी तरह गलत है। हिन्दुत्व आख्यान के मूल में है साम्प्रदायिक नजरिए से इतिहासलेखन जो अंग्रेजों ने अपनी 'फूट डालो और राज करो' की नीति के तहत करवाया था। इसमें राजाओं के समश्त निर्णयों को उनके धर्म से जोड़ा जाता है और राजाओं को उनके धार्मिक समुदाय के प्रतीक के रूप में प्रश्तुत किया जाता है।

हिन्दू साम्प्रदायिक इतिहासलेखन में एक कदम और आगे बढ़कर यह दावा किया गया कि मुसलमान और ईसाई 'विदेशी' थे जिन्होंने हिन्दुओं को सताया। मुस्लिम साम्प्रदायिक इतिहासलेखन में इसी सिक्के के दूसरे पहलू को दिखाया गया जिसमें मुसलमान शासक थे और हिन्दू उनके अधीन उनकी प्रजा थे। उन्होंने यह तस्वीर प्रस्तुत की कि मुसलमानों का यहां का शासक होना पूर्णतः तर्कसंगत था।

यह नजरिया बाद में अंग्रेजों के लिए बहुत मददगार साबित हुआ और उन्होंने हमारे मिले-जुले समाज को बांटकर हमारे देश को दो भागों-भारत और पाकिश्तान में बांट दिया। सावरकर ने यह मत व्यक्त किया कि इस देश में दो राष्ट्र हैं, और जिन्ना ने इसी बात को आगे बढ़ाते हुए मुसलमानों के लिए एक अलग राष्ट्र, पाकिश्तान की मांग सामने रख दी। पाकिश्तान अपने निर्माण के समय से ही मुस्लिम साम्प्रदायिकता के चंगुल में फंस गया और जहां तक वहां की पाठ्यपुश्तकों का संबंध है, उन्होंने पाकिश्तान का उद्भव मोहम्मद बिन कासिम के समय, यानि आठवीं शताब्दी से प्रश्तुत किया। इस समय उनकी पाठ्यपुश्तकों में हिंदू शासकों के बारे में एक शब्द भी नहीं है। मुस्लिम साम्प्रदायिक तत्वों द्वारा हिंदुओं के बारे में फैलाई जा रही घृणा स्कूली पाठ्यक्रम से हिंदू राजाओं और संस्कृति का विवरण पूरी तरह से हटाने के साथ अपने शिखर पर पहुंच गई।

एक तरह से पिछले तीन दशकों से भारत, पाकिश्तान की राह पर चल रहा है। पाकिश्तान के घटनाक्रम को पूरी तरह से यहां दुहराया जा रहा है। इस बात को पाकिश्तान की कवियत्री फहमिदा रियाज ने बहुत अच्छी तरह अपनी कविता में दर्शाया था-''अरे तुम भी हम जैसे निकले, अब तक कहां छुपे थे भाई'।

भारतीय शिक्षा प्रणाली पर हिंदू साम्प्रदायिक तत्वों के पूरी तरह काबिज होने के पहले भी आरएसएस शाखाओं के जरिए समाज के साम्प्रदायिक संस्करण को शाखा बौद्धिकों, एकल विद्यालयों और शिशु मंदिरों जैसी कई पहलों के जरिए फैलाया जा रहा था। समय के साथ मुख्यधारा का मीडिया और सोशल मीडिया भी इसमें उनका हाथ बंटाने लगा।

संस्कृति सतत विकसित होती रहती है। इतिहास के जिस कालखंड को उलट-पुलट करने में हिन्दुत्ववादी शक्तियां जुटी हैं, उसके दौरान कई सामाजिक बदलाव हुए। वाश्तुकला, खानपान वस्त्रों और साहित्य में तो परिवर्तन हुए ही, साथ ही धर्मों के मिलन से भक्ति और सूफी परंपराएं विकसित हुईं। इसी काल में सिक्ख धर्म की स्थापना हुई और वह फला-फूला।

अब इस राजनैतिक विचारधारा को अपनी रणनीति में बदलाव करना होगा। अब मुस्लिम शासक तो हैं नहीं, तो वे मुसलमानों का दानवीकरण किस प्रकार करेंगे? औरंगजेब और बाबर की जगह लेने के लिए नए पैंतरे तैयार किए जा रहे होंगे क्योंकि अब वे तो किसी काम के रहे नहीं!

इतिहास राष्ट्रवाद के विचार का केन्द्रीय तत्व है। एरिक फॉर्म के अनुसार इतिहास का राष्ट्रवाद के लिए वही महत्व है जो अफीम की लत वाले के लिए अफीम का होता है। जबसे भाजपा 1998 में एनडीए के रूप में सत्ता पर काबिज हुई, उसने जो सबसे बड़ा काम किया उसे 'शिक्षा का भगवाकरण' कहा जाता है। इसके अंतर्गत इतिहास का विवरण देते समय वीर और यशस्वी हिंदू राजाओं के दुष्ट और आक्रामक मुस्लिम राजाओं के टकराव का आख्यान पेश किया जाता है। यह आरोप लगाया जाता है कि अब तक इतिहासलेखन वामपंथी इतिहासविद् करते रहे, जिन्होंने दिल्ली के शासकों को केन्द्र में रखा और जो मुस्लिम-समर्थक थे। यहां यह महत्वपूर्ण है कि पाठयपुश्तकों में किसी विशिष्ट वंश का विवरण उनके शासनकाल की अवधि के अनुपात में दिया जाता था।

1980 के दशक तक की इतिहास की पुश्तकों में हिंदू और मुस्लिम दोनों धर्मों के राजाओं का अच्छा खासा विवरण रहता था। विवरण सिर्फ धर्मों पर केन्द्रित नहीं रहता था बल्कि समुदायों का समग्र विवरण दिया जाता था जिसमें व्यापार, संस्कृति व साहित्य सहित अन्य क्षेत्रों की जानकारी भी रहती थी।

यह सच है कि अपने भविष्य के निर्माण के लिए हमें शासकों यानि राजाओं पर केन्द्रित इतिहास की जरूरत नहीं है। हमें समाज के विभिन्न तबकों, दलितों, महिलाओं, आदिवासियों और कारीगरों पर भी ध्यान केन्द्रित करना चाहिए जिन्हें इन आख्यानों में पर्याप्त स्थान हासिल नहीं हो सका है।

(अंग्रेजी से रूपांतरण अमरीश हरदेनिया।
(लेखक आईआईटी मुंबई में पढ़ाते थे और नेशनल कम्यूनल हार्मोनी एवार्ड से सम्मानित हैं)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेल:** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI-**UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

थाना दिवस में मिट्टी खनन की शिकायत पर तीन लोगों का शांतिभंग में चालान

अचलगंज , एजेंसी। संपूर्ण थाना समाधान दिवस पर एएसपी अखिलेश सिंह ने अचलगंज थाने में जनशिकायतों की सुनवाई की। कुल 28 प्रार्थनापत्र आए, जिनमें 24 राजस्व से संबंधित रहे। मिट्टी खनन की शिकायत पर तीन का शांतिभंग में चालान किया गया।

बलउखेड़ा निवासी प्रेम शंकर ने बताया कि गांव से खेतों को जाने वाले चक रोड पर कुछ लोगों ने कब्जा कर लिया है। अब खेतों में जाने के लिए मार्ग अवरुद्ध है। कोलुहागाड़ा में मिट्टी खनन का मामला पहुंचा। इसमें त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन का शांतिभंग में चालान कर दिया। 75 वर्षीय रिटायर्ड सैनिक ताजपुर निवासी रामकरण ने बताया कि गांव के ही लोगों ने जमीन पर कब्जा कर लिया है। टिकरी निवासी ठाकुर प्रसाद ने भी भूमि पैमाइश संबंधी प्रार्थनापत्र दिया। एएसपी ने संबंधित राजस्व अधिकारियों को पुलिस टीम के साथ मौके पर जाकर निस्तारण करने के निर्देश दिए।

आसीवन में अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी प्रेम चंद के पास मदारीखेड़ा निवासी धरीराम ने जबरन फसल काट लेने का आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र दिया। कुल 16 शिकायती पत्रों में दो का मौके पर निस्तारण किया गया। शेष शिकायती पत्रों का संबंधित उपनिरीक्षकों व लेखपालों को टीम बनाकर निस्तारण कराने के लिए कहा गया। थाना बीघापुर में एसडीएम रणवीर सिंह ने शिकायत की। थाना बिहार में नायब तहसीलदार विजय रंजन श्रीवास्तव और बारासगवर थानाक्षेत्र में नायब तहसीलदार दिनेश कुमार के पास शिकायतकर्ता पहुंचे। थाना बिहार में कुल नौ शिकायतें दर्ज की गईं, जिनमें से तीन मामलों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया।

कानूनगो ने सुनी शिकायतें, कार्यालय में बैठे रहे अधिकारी

असोहा , एजेंसी। थाना परिसर में समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसमें सीओ अजय सिंह सहित अन्य अधिकारियों को शामिल होना था लेकिन थाना परिसर पर अधिकारियों की कुर्सियां खाली रहीं। अधिकारी एसओ कार्यालय में बैठे रहे। इसी के चलते अधिकारियों की कुर्सियों के पास छुट्टा मवेशी विचरण करते रहे। वहीं फरियादी दूसरी जगह पर चल रहे समाधान दिवस में कानूनगो विजय सिंह के सामने अपनी फरियाद लेकर पहुंचे। अधिकारियों के समाधान दिवस में कार्यालय के अंदर बैठे रहने के चलते लोगों में रोष रहा। इस संबंध में सीओ अजय सिंह ने बताया कि असोहा थाने के मालखाने का कमेटी बनाकर चार्ज ट्रांसफर होना था, जिसके चलते एसडीएम न्यायिक शालिनी तोमर सहित सभी सदस्य होने से चार्ज ट्रांसफर करा रहे थे। बड़ी समस्या के समाधान के लिए मौजूद रहे।

सर्विस रोड की मांग

बीघापुर , एजेंसी। उन्नाव-लालगंज हाईवे पर बीघापुर ब्लॉक मुख्यालय के सामने अंडरपास और इंदेमऊ चौराहे पर सर्विस रोड का निर्माण न होने से वाहन चालकों को खतरे के बीच आवागमन करना पड़ रहा। हाईवे पर चढ़ने के लिए बनाई गई रोड की ढलान बहुत ज्यादा होने से कई बार वाहनों में भिड़ंत हो चुकी है। वहीं, बीघापुर ब्लॉक मुख्यालय के पास अंडरपास का निर्माण न होने से लोगों को दो किलोमीटर का चक्कर लगाना पड़ रहा है।

उन्नाव-लालगंज (रायबरेली) हाईवे निर्माण के दौरान एनएचएआई ने कुछ गांवों के लोगों की सुविधाओं की अनदेखी देखी। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। काफी संख्या में किसानों के घर एक तरफ हैं और उनकी कृषि भूमि दूसरी ओर है। अंडरपास न होने से किसान कई किलोमीटर का चक्कर लगाकर खेत पहुंचते हैं। बीघापुर ब्लॉक मुख्यालय, अस्पताल, कोतवाली, बिजली उपकेंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एक ही दिशा में हैं। यहां पर लोग अंडरपास की मांग कर रहे हैं। इंदेमऊ बस स्टॉप पर दोनों तरफ गांव होने के बाद भी सर्विस रोड नहीं है। इससे लोग हाईवे पर सीधे पहुंचकर जोखिम के बीच आवागमन कर रहे हैं। प्रधान मनोज सिंह, विजय सिंह, कपिल साहू, रमेश पासवान, रामशरण सिंह, पिंटू गुप्ता, शिव चंद्र साहू, छंगा शुक्ला आदि ने बीघापुर ब्लॉक मुख्यालय के सामने अंडरपास व इंदेमऊ बस स्टाप पर दोनों तरफ सर्विस रोड का निर्माण कराने की मांग की है।

प्रदेश के 10 हजार प्राइमरी स्कूलों को मिलेंगे पर्याप्त शिक्षक

आठ साल के बाद तबादला नीति का होगा फायदा

लखनऊ , एजेंसी। बेसिक शिक्षा विभाग ने यूं ही नहीं आठ साल बाद जिले के अंदर सामान्य तबादले की प्रक्रिया शुरू की है। इसके पीछे विभाग का यह प्रयास है कि जो विद्यालय एकल या शिक्षकविहीन हैं और जहां ज्यादा शिक्षक हैं। इनका आपस में संतुलन बनाया जा सके। विभाग का यह प्रयास सफल रहा तो 10 हजार से अधिक विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को दूर किया जा सकेगा। बेसिक शिक्षा विभाग के अनुसार प्रदेश में 1700 से अधिक विद्यालय नियमित शिक्षकविहीन हैं। यहां पर पास के शिक्षक या शिक्षामित्रों को तैनात कर पढ़ाई कराई जा रही है। इसी तरह 9100 से अधिक विद्यालय में एक नियमित शिक्षक हैं। इसके साथ ही शिक्षामित्र व अनुदेशक भी तैनात हैं। जबकि काफी स्कूल ऐसे भी हैं, जहां पर बच्चों की संख्या के अनुपात में अधिक शिक्षक तैनात हैं।

ऐसे में विभाग यह प्रयास करेगा कि सामान्य तबादलों से इन शिक्षकविहीन व एकल शिक्षक वाले विद्यालयों में ज्यादा शिक्षक वाले विद्यालयों का संतुलन बने। यही वजह है कि आठ साल बाद हो रहे जिले के अंदर व एक साल बाद हो रहे एक से दूसरे जिले में सामान्य तबादलों का मुख्य आधार यू-डायस पोर्टल पर उपलब्ध छात्र संख्या के आधार पर आरटीई के मानकों को बनाया गया है। बेसिक शिक्षा विभाग कि इस कवायद से जहां उसकी दिक्कतें कम होंगी वहीं स्कूलों में शिक्षक-छात्र अनुपात भी सुधरेगा।

इसका असर परिषदीय विद्यालयों की पठन-पाठन व्यवस्था पर पड़ेगा। शासन की ओर से जारी तबादला निर्देश में यह भी कहा गया है कि आवश्यकता से अधिक शिक्षक वाले स्कूलों व जिलों को चिह्नित किया जाएगा। इनकी सूचना भी पोर्टल पर ऑनलाइन जारी की जाएगी। इसके अनुसार शिक्षक अपना 10 प्राथमिकता वाला विकल्प देंगे। विभाग शिक्षकों का तबादला उनकी स्वेच्छा से ही ज्यादा से कम शिक्षक संख्या वाले विद्यालयों व जिलों में करेगा।

गर्मी की छुट्टियों में हो सकती है प्रक्रिया पूरी

बेसिक शिक्षा विभाग ने 2023 में एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले की प्रक्रिया 24 दिन में पूरी की थी। इसमें 16614 शिक्षकों को तबादले का अवसर मिला था। ऐसे में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि इस साल भी गर्मी की छुट्टियों में ही सामान्य तबादला करने की तैयारी है। बता दें कि वर्तमान में जिले के अंदर और एक से दूसरे जिले में परस्पर तबादले की प्रक्रिया पहले से चल रही है।

वर्तमान तबादलों में भी पड़ेगा असर

प्रदेश में चल रही परस्पर तबादले की प्रक्रिया के बीच शासन ने सामान्य तबादले का आदेश जारी कर दिया है। शिक्षक नेताओं की माने तो इसका असर वर्तमान में चल रही प्रक्रिया पर भी पड़ेगा। शिक्षक नेता निर्भय सिंह ने बताया कि सामान्य तबादले में कहा गया है कि आवश्यकता से अधिक शिक्षक वाले स्कूलों व जिलों को चिह्नित किया जाएगा। इसके अनुसार आवश्यकता वाले स्कूलों व जिलों में शिक्षकों का तबादला किया जाएगा। ऐसे में अगर परस्पर तबादला पाने वाला शिक्षक, जहां आ रहा है। वहां पहले से शिक्षकों की संख्या बेहतर है तो सामान्य तबादले में वह फिर कहीं भेजा जा सकता है। हालांकि शासन ने स्पष्ट किया है कि तबादला स्वेच्छा से ही किया जाएगा। वहीं सामान्य तबादले में जाने वाला शिक्षक संबंधित जिले में वरिष्ठता सूची में सबसे नीचे होगा।

किडनी रोगियों को बड़ी राहत...एसएन मेडिकल कॉलेज में हेपेटाइटिस-एचआईवी मरीजों की भी हो सकेगी डायलिसिस

आगरा, एजेंसी। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज में अब हेपेटाइटिस-एचआईवी से संक्रमित मरीजों की भी डायलिसिस हो सकेगी। एसएन के सुपर स्पेशियलिटी सेंटर में 16 बेड की यूनिट शुरू हो रही है। मशीनें लगाने का कार्य अंतिम चरण में है। जून से सुविधा मिलने लगेगी। आयुष्मान कार्ड और असाध्य योजना के लाभार्थियों के लिए सुविधा निशुल्क रहेगी।

प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि अभी मेडिसिन विभाग में 6 बेड का डायलिसिस वार्ड है। इसमें संक्रामक बीमारियों के मरीजों की डायलिसिस नहीं हो पाती है। अब डायलिसिस की 20 मशीनें आई हैं, जिसमें 16 सुपर स्पेशियलिटी सेंटर में किडनी रोग विभाग में लगेंगी। इसमें संक्रामक और गैर संक्रामक मरीजों की डायलिसिस हो सकेगी।

हाई डिपेंडेंसी यूनिट (एचडीयू) और आईसीयू में भी 2-2 मशीनें लगाई जा रही हैं। इस सप्ताह के अंत तक सभी मशीनें लग जाएंगी, फिर इनका ट्रायल होगा। इसके बाद मरीजों को निजी सेंटरों पर डायलिसिस के लिए नहीं जाना पड़ेगा। सरकार से तय मामूली कीमत पर यह सुविधा मिलेगी। नेफ्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. अपूर्व जैन ने बताया कि नई डायलिसिस यूनिट शुरू होने से मरीजों के साथ छात्रों के लिए भी सुविधा हो गई है। डीएम नेफ्रोलॉजी के चार छात्रों ने प्रवेश ले लिया है। इनकी पढ़ाई के लिए नेशनल मेडिकल कमीशन के मानकों के अनुसार आधुनिक डायलिसिस यूनिट जरूरी है। डायलिसिस मशीनों के संचालन के लिए स्टाफ को भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। मेडिसिन और सर्जरी विभाग के आईसीयू में भी डायलिसिस की सुविधा शुरू हो गई है। इन दोनों विभागों में एक-एक डायलिसिस मशीन लगाई है।

पेट में सोने के कैप्सूल... सऊदी से लौटे लोगों का अपहरण न होता तो दफन हो जाता ये राज

मुरादाबाद, एजेंसी। मुरादाबाद में बदमाशों के चंगुल से छुड़ाए गए सऊदी अरब से लौटे चार लोगों के पेट में सोना होने की पुष्टि हुई है। वहीं दो लोगों के पेट में सोना नहीं मिला है। शुक्रवार को पेट में सोना होने की सूचना पर ही बदमाशों ने कार चालक समेत सात लोगों का अपहरण किया था। हालांकि, पुलिस ने सभी को छुड़ा लिया था। शनिवार को पुलिस ने निजी लैब के अलावा जिला अस्पताल में भी अल्ट्रासाउंड कराया।

दोनों की रिपोर्ट में चार लोगों के पेट में सोना होने की पुष्टि हुई। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि रामपुर जिले के टांडा बादली निवासी शाने आलम, मुतल्लवी, मो. नावेद, जाहिद अली, अजहरुद्दीन और जुल्फेकार सऊदी अरब में नौकरी करते थे। शुक्रवार को सभी लोग सऊदी से दिल्ली लौटे थे।

कार से टांडा जाते समय बदमाशों ने उनके पेट में सोने होने के शक में लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर पुराने टोल प्लाजा के पास से उनका अपहरण कर लिया था। मुठभेड़ में दो बदमाशों को गिरफ्तार करने के साथ सभी को सकुशल बचा लिया गया था। शनिवार को सऊदी से लौटे छह लोगों का सीएचसी मूंढापांडे में अल्ट्रासाउंड कराया, लेकिन डॉक्टर ने सोना होने की पुष्टि नहीं की। पुलिस ने डॉक्टर से सभी को जिला अस्पताल रेफर करने को कहा तो डॉक्टर आनाकानी करने लगे। इससे शक गहरा गया।

इसके बाद पुलिस ने सभी छह लोगों का निजी लैब में अल्ट्रासाउंड कराया, जिसमें अजहरुद्दीन, जुल्फेकार, मुतल्लवी और शाने आलम के पेट में सोना होने की पुष्टि हुई, जबकि मो. नावेद, जाहिद अली के पेट में कुछ नहीं मिला। एसपी सिटी ने बताया कि इसके बाद सभी को जिला अस्पताल ले जाया गया। जिला अस्पताल की लैब में हुए अल्ट्रासाउंड में भी चार लोगों के पेट में सोना होने की पुष्टि हुई। कस्टम विभाग को सूचना दे दी गई है।

अपहरण न होता तो दफन हो जाता सोने की तस्करी का राज: सऊदी अरब से लौटे छह लोगों का यदि अपहरण नहीं होता तो सोने की तस्करी का राज भी दफन हो जाता। पुलिस ने अपहरण के बाद मुठभेड़ में दो बदमाशों को गिरफ्तार कर सभी को बंधन मुक्त कराया। पूछताछ में बदमाशों ने सऊदी से लौटे लोगों के पेट में सोना होने की बात कही तो पुलिस ने उनका अल्ट्रासाउंड कराया। रिपोर्ट में चार लोगों के पेट में सोना होने की पुष्टि हो गई।

हैरानी की बात यह है कि यह सभी लोग सऊदी के साथ ही दिल्ली एयरपोर्ट पर भी जांच एजेंसियों को चकमा देकर बाहर आ गए। रामपुर के टांडा निवासी शाने आलम, अजहरुद्दीन, जुल्फेकार और मुतल्लवी करीब एक साल पहले दुबई में काम करने गए थे। यह चारों दुबई से सऊदी अरब पहुंचे। शुक्रवार को अपने दो अन्य साथियों मो. नावेद और जाहिद के साथ दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे।

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था... फिर भी आसानी से निकले

सऊदी अरब में काम करने वाले मो. नावेद और जाहिद को कोई जानकारी नहीं थी कि उनके कस्बे के रहने वाले यह चारों लोग सोना लेकर लौट रहे हैं। एयरपोर्ट पर जांच के बावजूद सुरक्षा एजेंसी भी इन चारों के पेट में सोना नहीं पकड़ पाईं। एयरपोर्ट पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था होने के बावजूद चारों आसानी से निकल आए। दिल्ली से मुरादाबाद तक पहुंच गए। बदमाशों ने इन्हें अगवा कर लिया और एक फॉर्महाउस में बंधक बनाकर सोना निकालने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें बंधन मुक्त कराया और दो बदमाशों को भी मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया। बदमाशों ने ही पुलिस को सऊदी से लौटे लोगों के पेट में सोना होने की जानकारी दी।

इसके बाद पुलिस ने शनिवार सुबह सभी का मेडिकल परीक्षण कराया, लेकिन सोना की पुष्टि नहीं हुई। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कहा। इसके बाद पुलिस ने निजी लैब और जिला अस्पताल में अल्ट्रासाउंड कराया, जिसमें चार लोगों के पेट में सोना होने की पुष्टि हुई।

अमृत भारत स्टेशन योजना में घोटाला...विधायक ने प्रधानमंत्री से की शिकायत, जांच के लिए दौड़ी रेलवे की टीम

आगरा , एजेंसी। आगरा के फतेहपुर सीकरी से भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल ने अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना के तहत कार्यों पर सवाल उठाया है। उन्होंने फतेहपुर सीकरी एवं अछनेरा स्टेशनों पर निर्माण कार्यों में घोटाला और रेलवे की जमीन पर कब्जों की शिकायत प्रधानमंत्री को पत्र भेजकर की है।

विधायक चौधरी बाबूलाल ने आरोप लगाया है कि अछनेरा एवं फतेहपुर सीकरी रेलवे स्टेशनों के लिए योजना के तहत लगभग 20 करोड़ रुपये का आवंटन हुआ है। जिसमें मानकों के विपरीत घटिया कार्य कराए जा रहे हैं। सीकरी में ब्लॉक ऑफिस के पीछे बाईपास रोड पर रेलवे की ओर से कराई गई चहारदीवारी को तोड़कर भूमाफिया ने रेल अधिकारियों से मिलीभगत कर कब्जे किए हैं। उन्होंने लिखा है कि रेल राज्य मंत्री के आगरा आगमन पर उन्होंने इस संबंध में अवगत कराया लेकिन डीआरएम ने कोई कार्रवाई नहीं की। विधायक ने रेलवे अधिकारियों की जांच कराए जाने की मांग की है।

विधायक के तेवर देख दौड़ीं टीमें- भाजपा विधायक चौधरी बाबूलाल के तेवर देख शनिवार को रेलवे की टीमों ने नाप-जोख शुरू कर दी। टीमों ने चहारदीवारी तोड़कर गेट बनाने वालों को चेतावनी भी दी। इंजीनियर देवी सिंह राजपूत एवं मनोज चौहान ने रेलवे की भूमि की पैमाइश की। रेलवे ट्रैक से 300 फुट दोनों ओर भूमि रेलवे की है। चहारदीवारी तोड़ने पर नोटिस जारी किया है, जिसका 15 दिन में जवाब देना है।

यूपीएससी की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा...40 केंद्र बनाए गए, निगरानी के लिए लगाए 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट

आगरा , एजेंसी। आगरा में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा-2025 रविवार 25 मई को होगी। प्रीलिम्स पेपर-प्रथम सुबह 9 :30 से 11 :30 बजे तक और प्रीलिम्स पेपर-द्वितीय दोपहर 2 :30 बजे से शाम 4 :30 बजे के बीच होगा। प्रीलिम्स अर्हता परीक्षा है, इसमें पास होने पर ही अभ्यर्थी यूपीएससी मेंस 2025 की परीक्षा में शामिल हो पाएंगे। शहर में सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए 40 केंद्र बनाए गए हैं। इनके लिए 18,028 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। कुल 15 सेक्टर मजिस्ट्रेट, 40 लोकल इंस्पेक्टिंग ऑफिसर, 40 सहायक और 39 पर्यवेक्षकों की निगरानी में परीक्षा कराई जाएगी। दो पालियों में होने वाली परीक्षा से 30 मिनट पहले अभ्यर्थियों को केंद्र के अंदर प्रवेश करना अनिवार्य है। प्रवेशपत्र पहले ही जारी हो चुके हैं। परीक्षा की तैयारी करवाने वाले राजीव शर्मा कहते हैं कि शांत मन और पॉजिटिव सोच के साथ परीक्षा दें। पहले उन प्रश्नों को हल करें, जिनके उत्तर पता है। परीक्षा में निगेटिव मार्किंग होती है, इसलिए केवल उन प्रश्नों के उत्तर दें, जिन्हें लेकर आप निश्चित हैं। किसी भी तरह के अनुमान से बचें।

इटावा में तैनात दीवान के घर से 20 लाख की चोरी, ड्यूटी से लौटने पर टूटे मिले ताले

कानपुर , एजेंसी। कानपुर के गोविंदनगर में बेखौफ चोर ने दिनदहाड़े इटावा में तैनात दीवान के घर का ताला तोड़ नकदी व जेवर समेत 20 लाख का माल चोरी कर लिया। घटना के दिन दीवान इटावा में ड्यूटी पर था जबकि पत्नी बच्चों को लेकर गर्मियों की छुट्टियां मनाने गांव में गई थीं। रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस चोर की तलाश कर रही है। मूलरूप से औरैया के गुरुखंदा निवासी रघुराज सिंह गोविंदनगर स्थित कैनाल कालोनी की पहली मंजिल पर रहते हैं।

इस कॉलोनी में अधिकतर पुलिसकर्मियों के परिवार रहते हैं। किदवईनगर थाने में तैनात रहे दीवान का छह माह पहले इटावा स्थित यूपीपीसीएल हाइडल में तबादला हो गया है। वह कानपुर से रोजाना इटावा ड्यूटी जाकर शाम को घर लौट आते हैं। रघुराज के अनुसार बीते दिनों पत्नी अंजलि बच्चों को लेकर औरैया गई है। इन दिनों वह घर पर अकेले थे। गुरुवार सुबह आठ बजे घर में ताला लगाकर वह ड्यूटी चले गए।

शाम को लौटे, तो देखा कि मेन गेट का ताला टूटा था और वह खुला पड़ा था। अंदर कमरों का सामान अस्त व्यस्त था और अलमारियों के लॉकर भी टूटे मिले। अलमारियों में रखे साढ़े दस हजार रुपये नकद और करीब 26 तोला सोना और 850 ग्राम चांदी गायब थी। गोविंदनगर इंस्पेक्टर प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि घटनास्थल के आसपास के फुटेज खंगाले जा रहे हैं। कुछ संदिग्ध युवक दिखे हैं। इनके बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

अस्थि विसर्जन से पहले गंगा में डूबे दो भाई व भतीजा

घरवालों की चीखें और सिसकियों ने हर किसी को झकझोर दिया

अमेठी , एजेंसी। यूपी के अमेठी के एक परिवार के लोग रविवार की सुबह पिता की अस्थि विसर्जन के लिए रायबरेली के डलमऊ स्थित रानी शिवाला गांगा घाट गए थे। वहां अस्थि विसर्जन से पहले स्नान करते समय दो भाई और भतीजा डूब गए। जब तक स्थानीय गोताखोर और नाविकों ने उन्हें निकाला, उनकी मौत हो गई। घटना से घर में कोहराम मच गया।

मामला जगदीशपुर क्षेत्र के पालपुर गांव का है। गांव निवासी रामकिशोर कौशल का शुक्रवार को बीमारी के चलते निधन हो गया था। शनिवार को उनका अंतिम संस्कार पैतृक गांव गडरियाडीह में किया गया। रविवार की सुबह करीब 7 बजे बेटे चंद्रमा कौशल, चंद्र कुमार कौशल व चंद्र प्रकाश और नाती विधिचंद्र कौशल, बालचंद्र कौशल, धरमचंद्र कौशल व भतीजा अनिल कौशल प्रपौत्र आयुष कौशल और अर्यांश संग निजी वाहन से अस्थि विसर्जन के लिए रायबरेली के डलमऊ स्थित रानी शिवाला घाट गए थे।

दो भाई और भतीजे की मौत: यहां गंगा नदी में स्नान के दौरान चंद्र कुमार कौशल (60) गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। उन्हें बचाने के लिए बालचंद्र कौशल (42) और उनका बेटा अर्यांश (13) नदी में कूद गए। लेकिन, उन्हें बचाने की बयाज तीनों नदी में डूब गए। मौके पर मौजूद गोताखोरों और नाविकों ने देखा तो छलांग दी। उन्होंने तीनों को बाहर निकाला। आनन फानन तीनों को अस्पताल ले जाया गया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

ग्रामीण परिजन को ढांढस बंधाते रहे: घटना की खबर गांव पालपुर पहुंची तो घर में कोहराम मच गया। गांव के लोग एकत्र हो गए। कुछ लोग तत्काल रायबरेली के लिए रवाना हो गए। घरों में महिलाओं का रो रोकर बुरा हाल है। दो भाई और एक भतीजे की मौत से गांव में मातम पसर गया। रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने परेशान परिजन को ढांढस बंधाते रहे। देर शाम तक तीनों के शव गांव पहुंचने की संभावना है। सोमवार को पैतृक गांव गडरियाडीह में तीनों का अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बिलखती रही मां, पत्नी और बहनें, हर आंख हुई नम : चंद्र कुमार कौशल, भाई बालचंद्र कौशल और उसके बेटे अर्यांश की मौत की खबर पहुंची तो घरवाले बिलख उठे। गांव में हर आंख नम दिखी। अभी एक दिन पहले ही तो पिता की मौत हुई थी। अब दो बेटे और पोते की मौत ने लोगों को झंकझोर दिया। बालचंद्र की बेटी रागिनी (18) और मिनी बार-बार पिता और भाई को पुकारती रहीं, उनका विलाप सुनकर हर दिल पसीज उठा।

गांव में सिर्फ मातम, चीखें और सिसकियां दिखीं: चंद्र कुमार कौशल की मौत की खबर सुनते ही पत्नी सुमित्रा कौशल फूट-फूटकर रोने लगीं। उनका कहना था कि जिसके लिए जिंदगी जी रही थी, वही साथ छोड़ गया। उनके बेटे अरुण, बहू रोशनी और पौत्र चेतन गम में डूबे हैं। अविवाहित बेटा वरुण का हाल भी बेहाल है। पूरा गांव शोक में डूबा है। गांव में सिर्फ मातम, चीखें और सिसकियां दिखीं।

टी20 मुंबई लीग 2025 के टिकटों की बिक्री शुरू

मुंबई, एजेंसी। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर बहुप्रतीक्षित टी20 मुंबई लीग 2025 के लिए टिकटों की बिक्री शुरू की, जो 4 से 12 जून तक दो प्रतिष्ठित स्थानों – वानखेड़े स्टेडियम और डीवाई पाटिल स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। टिकटें डिस्ट्रिक्ट बाय जोमैटो पर ऑनलाइन उपलब्ध हैं, जिनकी कीमत लेवल 1 के लिए 100रुपये, लेवल 2 के लिए 300 रुपये और गरवारे पैवेलियन लेवल 2 के लिए 400 रुपये है। भारत के प्रमुख घरेलू फ्रेंचाइज–आधारित टी20 टूर्नामेंटों में से एक, टी20 मुंबई लीग, शहर की बेहतरीन क्रिकेट प्रतिभाओं की भागीदारी के साथ छह साल के अंतराल के बाद अपनी वापसी पर एक शानदार शो का वादा करती है। प्रशंसक भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, अजिंक्य रहाणे, शिवम दुबे और पृथ्वी शॉ सहित अंतरराष्ट्रीय सितारों को देखने के लिए उत्सुक हो सकते हैं। सीजन 3 में मुंबई के उभरते हुए खिलाड़ी जैसे मुशीर खान और अंगकृष रघुवंशी भी शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, एमसीए वंचित बच्चों और बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) स्कूलों के छात्रों को भी आमंत्रित करेगा, जिससे उन्हें मैचों का लाइव अनुभव करने और बड़े सपने देखने की प्रेरणा मिलेगी। आठ टीमों के इस टूर्नामेंट में 23 रोमांचक मैच होंगे, जिसमें नॉर्थ मुंबई पैंथर्स (होराइजन स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड), एआरसीएस अंधेरी (आर्क्स स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड), ट्रायम्फ नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट (ट्रांसकॉन ट्रायम्फ नाइट्स प्राइवेट लिमिटेड), बांद्रा ब्लास्टर्स (पीके स्पोर्ट्स वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड), ईगल थाने स्ट्राइकर्स (ईगल इंफ्रा इंडिया लिमिटेड), आकाश टाइगर्स मुंबई वेस्टर्न सबअर्बस (वर्ल्ड स्टार प्रीमियर लीग एलएलपी), सोबो मुंबई फाल्कन्स (रोडवे सॉल्यूशंस इंडिया इंफ्रा लिमिटेड) और मुंबई साउथ सेंट्रल मराठा रॉयल्स (रॉयल एज स्पोर्ट्स एंड एंटरटेनमेंट) खिताब के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे। लीग चरण के दौरान हर दिन चार मैच खेले जाएंगे, प्रत्येक स्थल पर दो। वानखेड़े स्टेडियम में दोपहर 2.30 बजे और शाम 7.30 बजे मैच खेले जाएंगे। सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 10 जून और 12 जून को वानखेड़े स्टेडियम में खेले जाएंगे।

आईपीएल 2025 प्लेऑफ से पहले आरसीबी लिए खुशखबरी

बेंगलुरु, एजेंसी। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के सबसे सफल गेंदबाज जॉश हेजलवुड कंधे की चोट से उबरने के बाद यहां लौट आए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जॉश हेजलवुड के वापसी की जानकारी देते हुए कहा कि उसके तेज गेंदबाज हेजलवुड प्लेऑफ में खेलने के लिए ऑस्ट्रेलिया से भारत वापस लौट आए है। हेजलवुड इस सत्र में आरसीबी के सबसे अच्छे गेंदबाज रहे हैं। उन्होंने 17.27 की औसत और 8.44 की इकॉनमी से 18 विकेट लिये है और आईपीएल 2025 में चौथे सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। आरसीबी प्लेऑफ में पहुंच चुकी है, लेकिन शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद से साथ उच्च स्कोर वाले मुकाबले में हार के बाद उसके आईपीएल की अंक तालिका में शीर्ष दो में रहने की उम्मीद को झटका लगा था। ऐसा माना जा रहा है कि ऐसे समय में हेजलवुड की वापसी उसके लिए उपयोगी सिद्ध होगी। आईपीएल के एक सप्ताह के लिए स्थगित किये जाने पर वह ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। वहां वह रिहैब करने के साथ–साथ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की तैयारी के तहत ब्रिस्बेन में अभ्यास भी कर रहे थे।

टीम इंडिया में सात साल बाद वापसी पर करुण की पहली प्रतिक्रिया, बोले-

बहुत समय से इस पल का इंतजार था

जयपुर, एजेंसी। करुण ने शनिवार को आईपीएल में दिल्ली से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ 27 गेंद में 44 रन बनाए। दिल्ली ने जीत के लिए 207 रन का लक्ष्य 19.3 ओवर में हासिल कर लिया। 33 वर्षीय करुण ने 2024-25 सत्र में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और इसका इनाम उन्हें भारतीय टीम में चयन के रूप में मिला।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो गया है। अगले महीने 20 जून से शुरू हो रही पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति ने 18 सदस्यीय टीम की घोषणा की। शुभमन गिल को नया टेस्ट कप्तान बनाया गया। वहीं, इस टीम में करुण नायर की भी वापसी हुई है। करुण सात साल बाद भारतीय टीम में चुने गए हैं। अगर वह मैदान पर उतरते हैं तो आठ साल बाद भारत के लिए कोई टेस्ट खेलते दिखेंगे। टीम में चुने जाने के बाद करुण की पहली प्रतिक्रिया भी सामने आई है। करुण ने खुशी जताते हुए कहा कि उन्हें इसका लंबे समय से इंतजार था।

करुण ने दिल्ली के लिए खेली मैच जिताऊ पारी

करुण ने शनिवार को आईपीएल में दिल्ली से खेलते हुए पंजाब के खिलाफ 27 गेंद में 44 रन बनाए। दिल्ली ने जीत के लिए 207 रन का लक्ष्य 19.3 ओवर में हासिल कर लिया। 33 वर्षीय करुण ने 2024-25 सत्र में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया और इसका इनाम उन्हें भारतीय टीम में चयन के रूप में मिला। उन्होंने भारत के लिए पिछली बार 2017 में खेला था। 2018 में इंग्लैंड सीरीज के लिए वह स्क्वॉड में तो थे, लेकिन एक भी मैच नहीं खेल पाए थे।

हम इस सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके

करुण ने पंजाब के खिलाफ मैच के बाद कहा, शानदार लग रहा है और हम इस जीत के हकदार थे। हम इस सत्र में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके, लेकिन इस मैच में हमने दिखा दिया कि हमारी टीम अच्छी थी लेकिन कुछ मैच

इंडिया-इंग्लैंड टेस्टः

खराब गए। अपने प्रदर्शन के बारे में उन्होंने कहा, मैं काफी रन बनाकर आईपीएल में आया था। आत्मविश्वास की कमी नहीं थी। पारी में बहुत जल्दी बड़े शॉट खेल रहा था जिस पर कोच ने अपना समय लेकर फिर आक्रामक खेलने की सलाह दी।

करुण को तिहरा शतक के बावजूद बाहर किया गया

करुण को 2017 में टेस्ट में तिहरा शतक जड़ने के बावजूद टीम से बाहर कर दिया गया था। वह भारत के लिए तिहरा शतक लगाने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज है। टेस्ट टीम में चयन के बारे में उन्होंने कहा, बहुत शुक्रगुजार हूं कि वापसी कर सका। खुशकिस्मत हूं कि यह मौका मिला। मुझे भी आप लोगों की ही तरह पता चला। मैं लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। बहुत सारे बधाई के संदेश मिले हैं।

क्रिकेट में सबसे जबरदस्त वापसी में से एक

करुण की वापसी क्रिकेट में सबसे जबरदस्त वापसी में से एक है। भारत के लिए छह टेस्ट मैचों में उन्होंने 62.33 की औसत से 374 रन बनाए थे। इसमें एक तिहरा शतक शामिल है। इस दौरान सात पारियों में उनका स्कोर- 4, 13, 303*, 26, 0, 23 और 5 रन का रहा है। प्रथम श्रेणी क्रिकेट में करुण ने 49.16 की शानदार औसत से 8211 रन बनाए हैं। इनमें 23 शतक और 36 अर्धशतक शामिल हैं। तिहरे शतक के बावजूद उन्हें दरकिनार कर दिया गया।

करुण को तैयारी का अच्छा मौका भी मिलेगा

इसके अलावा वह दो वनडे भी खेल चुके हैं। 2016 में उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ हरारे में दो मैच खेले थे। इसमें उन्होंने कुल मिलाकर 46 रन बनाए थे। करुण को इंग्लैंड सीरीज से पहले तैयारी का अच्छा मौका भी मिलेगा। वह इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो मैचों के लिए भारतीय-ए टीम का हिस्सा हैं, जिसकी शुरुआत 30 मई से कैंटबरी में होगी। भारत-ए टीम 13 से 16 जून तक बेकेनहैम में सीनियर टीम के साथ एक इंट्रा-स्क्वॉड मैच भी खेलेगी। इंग्लैंड में भारतीय टीम के लिए प्रभावशाली प्रदर्शन निश्चित रूप से इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को लंबे समय तक टीम इंडिया में बनाए रखेगी। खासकर ऐसे समय में जब विराट कोहली और रोहित शर्मा ने प्रारूप छोड़ दिया है, करुण अच्छी पारी खेलकर इनमें से एक की जगह पर कब्जा जमाने की कोशिश करेंगे।

रणजी में करुण के चार शतक

उनके शानदार प्रदर्शन ने विदर्भ को 2024–25 सत्र में रणजी ट्रॉफी जीतने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रणजी ट्रॉफी में उन्होंने नौ मैचों में चार शतक की मदद से 863 रन बनाए। विजय हजारे ट्रॉफी (लिस्ट ए) में उन्होंने केवल आठ पारियों में 779 रन बनाये। इसमें पांच शतक शामिल थे। इन शानदार प्रदर्शनों ने भारतीय टीम में उनकी वापसी का रास्ता खोला।

शमी के लिए बंद हुए टेस्ट में वापसी के रास्ते!

अगरकर ने बताया उनका विकल्प कौन?

नई दिल्ली, एजेंसी। 'अमरोहा एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर शमी 64 टेस्ट में 229 विकेट ले चुके हैं, लेकिन क्या अब वह इसमें इजाफा कर पाएंगे? फिलहाल तो ऐसा नहीं लगता। आइए जानते हैं इंग्लैंड दौरे पर शमी की कमी की भरपाई कौन सा गेंदबाज कर सकता है...

आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टीम का एलान हो चुका है। 18 सदस्यीय टीम में अनुभवी मोहम्मद शमी को नहीं चुना गया है। उनके बाहर होने की अटकलें काफी दिनों से लगाई जा रही थीं और चयन समिति ने शनिवार को इस पर मुहर भी लगा दी। वजह यह दी गई कि शमी टेस्ट मैच का कार्यभार संभालने के लिए फिट नहीं हैं और अब टेस्ट में उनके भविष्य पर सवाल उठने भी शुरू हो गए हैं।

शमी के लिए वापसी का रास्ता बेहद मुश्किल

'अमरोहा एक्सप्रेस' के नाम से मशहूर शमी 64 टेस्ट में 229 विकेट ले चुके हैं, लेकिन क्या अब वह इसमें इजाफा कर पाएंगे? फिलहाल तो ऐसा नहीं लगता। ऐसा माना जा रहा है कि उनके लिए वापसी के रास्ते बंद हो चुके हैं।

भारतीय टीम के पास फिलहाल जिस प्रकार की युवा पेस बैटरी है, चयनकर्ता उन्हें ही ज्यादा से ज्यादा मौका देना चाहते हैं। शमी ने जून 2023 के बाद से कोई टेस्ट नहीं खेला है। यानी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ केनिंग्टन ओवल में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल उनका पिछला टेस्ट मैच था। ऐसे में अब चयनकर्ता चाहते हैं कि शमी सिर्फ सीमित ओवर के क्रिकेट में ही खेलें। टेस्ट की तुलना में सीमित ओवर क्रिकेट में शमी का प्रदर्शन शानदार रहा है।

अगरकर ने शमी को लेकर कही यह बात

टीम का एलान करते वक्त अगरकर ने शमी को लेकर संकेत भी दिए थे। उन्होंने कहा, वह सीरीज के लिए फिट होने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पिछले सप्ताह उसे थोड़ी चोट लगी और एमआरआई कराया गया। मुझे नहीं लगता कि वह पांचों टेस्ट के लिये उपलब्ध होने वाले थे। अभी वह इतना कार्यभार संभालने के लिए फिट नहीं हैं।

हमें उम्मीद थी कि वह कम से कम कुछ मैचों के लिए उपलब्ध होंगे, लेकिन अगर वह फिट नहीं है तो इंतजार कर पाना मुश्किल है।

टेस्ट में गेंदबाजी के लिए फिट नहीं हैं शमी

बीसीसीआई खेल विज्ञान और मेडिकल टीम का एक प्रतिनिधि इस सप्ताह लखनऊ में था और उन्होंने कहा है कि शमी का शरीर इस समय दिन के 15 से 20 ओवर डालने और 90 ओवर खेलने के लिए फिट नहीं है। अगरकर ने भी इसी बात पर जोर दिया था कि वनडे और टी20 में चार से अधिकतम 10 ओवर डालने और टेस्ट में दिन में कम से कम 15-20 ओवर डालने में काफी अंतर है और हाल फिलहाल में शमी जिस तरह की चोट से गुजरे हैं, वह टेस्ट के लिए तैयार नहीं हैं।

मैं सरफराज हूं इसलिए टीम से निकाल दिया? टीम इंडिया ने की नाइंसाफी

नई दिल्ली, एजेंसी। आमिर खान की 'पीके' जब आई थी, तब सिर्फ वो फिल्म ही हिट नहीं हुई थी, उस फिल्म के साथ-साथ वो डायलॉग भी हिट हुआ था- सरफराज धोखा नहीं देगा. टीम इंडिया के मामले में भी सरफराज वैसा ही निकला. उसने धोखा नहीं दिया. मगर क्या टीम इंडिया ने उसे धोखा दिया?

उसके साथ नाइंसाफी की? अगर नहीं तो फिर टीम से सरफराज को निकाला क्यों? जबकि, सरफराज का कसूर भी नहीं. वो तो ये मानकर बैठे थे कि सेलेक्टर्स बैठेंगे और उन्हें चुनेंगे. यही सोचकर अपनी तैयारियों को अंजाम भी दे रहे थे. लेकिन, 24 मई को जब टीम का ऐलान हुआ तो सरफराज का नाम उसमें नहीं आया. **सरफराज का टेस्ट डेब्यू रहा था धमाकेदार:** पिछले साल ही इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में सरफराज खान का टेस्ट डेब्यू हुआ था, जहां पहली 5 पारियों में से 3 में उन्होंने अर्धशतक जड़ा था. सरफराज के बल्ले का जोर टेस्ट क्रिकेट में यहीं नहीं थमा, इसके बाद उन्हें न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में भी खेलने का मौका मिला, और कीवियों के खिलाफ भी शतक जड़ते हुए वो 150 रन की बड़ी पारी खेलने में कामयाब रहे. ऐसे प्रदर्शन के बाद किसी भी खिलाड़ी को टीमें और मौके देना चाहती है.

ऑस्ट्रेलिया जाने का मौका तो मिला मगर: घरेलू पिच पर इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली कामयाबी ने सरफराज को ऑस्ट्रेलिया जाने का मौका दिया. ये मौका मिला तो सभी को लगने लगा कि अब गाड़ी चल पड़ी. ऐसा लगना लाजमी भी था क्योंकि सरफराज ने कुछ गलत नहीं किया था. लेकिन, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाने के बाद सबकुछ वैसा नजर नहीं आया, जैसा देखने की तमन्ना थी. पिछली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में सरफराज अपनी बारी के इंतजार में पूरी सीरीज बेंच पर ही बैठे रह गए. मतलब, टीम इंडिया का ऑस्ट्रेलिया दौरा खत्म हो गया, मगर सरफराज खान को किसी भी मैच में खेलने का मौका ही नहीं मिला. वो बिना खेले ही वापस लौट आए.

टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद 'तीर्थ यात्रा' पर विराट-अनुष्का, बांके बिहारी के बाद राम लला के किए दर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेत्री अनुष्का शर्मा और क्रिकेटर विराट कोहली इन दिनों आध्यात्मिकता की राह पर चलते नजर आ रहे हैं। रविवार को यह स्टार जोड़ी अयोध्या पहुंची, जहां उन्होंने पवित्र हनुमान गढ़ी मंदिर में दर्शन किए। सोशल मीडिया पर उनके मंदिर दर्शन के वीडियो और तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं, जिनमें दोनों भक्ति में लीन दिखाई दे रहे हैं।

हनुमान गढ़ी में विराट-अनुष्का

वायरल वीडियो में अनुष्का शर्मा गुलाबी रंग के परिधान में सिर पर पल्लू लिए भगवान हनुमान जी के सामने प्रार्थना करती दिख रही हैं। वहीं, विराट कोहली सफेद रंग के कुर्ते में मंदिर के शांत वातावरण में भक्ति में डूबे नजर आए। दोनों की सादगी और श्रद्धा ने फैंस का दिल जीत लिया।

वृंदावन से अयोध्या तक का आध्यात्मिक सफर

यह पहली बार नहीं है जब अनुष्का और विराट को आध्यात्मिक स्थानों पर देखा गया है। हाल ही में दोनों वृंदावन में श्री प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचे थे।

वहां महाराज के साथ उनकी बातचीत का वीडियो भी सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में रहा। इस दौरान अनुष्का भावुक हो गई थीं और उनकी आंखों में आंसू साफ नजर आए। दोनों को भगवान का नाम जपते और ध्यान में डूबे हुए देखा गया था।

विराट का क्रिकेट से संन्यास

विराट कोहली ने हाल ही में 12 मई को एक भावुक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की थी। उन्होंने अपने 14 साल के टेस्ट करियर को याद करते हुए कहा कि इस प्रारूप ने उन्हें जिंदगी के कई सबक सिखाए। इससे पहले विराट टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से भी संन्यास ले चुके हैं।

हालांकि, वह अभी भी आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) के लिए खेल रहे हैं। उनकी टीम आईपीएल 2025 के प्लेऑफ में पहुंच चुकी है, और फैंस को उम्मीद है कि विराट इस बार अपनी टीम को पहला खिताब जिता सकते हैं।

प्रीमियर लीगः

लिवरपूल के मो सालाह को प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया

लिवरपूल, एजेंसी। मोहम्मद सालाह को 2024/25 प्रीमियर लीग का प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया है, क्योंकि उनके शानदार प्रदर्शन की बदौलत लिवरपूल ने लीग का खिताब जीता है। लिवरपूल के इस फॉरवर्ड ने अपने करियर में दूसरी बार यह पुरस्कार जीता है, इससे पहले उन्होंने 2017-18 में क्लब के साथ अपने सनसनीखेज डेब्यू अभियान के अंत में यह पुरस्कार जीता था। सालाह ने इस सत्र में रेड्स की खिताबी जीत में मदद करने के लिए अब तक के सबसे बेहतरीन व्यक्तिगत प्रीमियर लीग सत्रों में से एक का प्रदर्शन किया है, जिसे अप्रैल में चार मैच शेष रहते हासिल किया गया था। उन्होंने रविवार को क्रिस्टल पैलेस के खिलाफ घरेलू मैदान पर होने वाले अंतिम मुकाबले से पहले आर्ने स्लॉट की टीम के लिए शीर्ष पर पहुंचने में 28 गोल किये हैं और 18 असिस्ट किए हैं।

मिस्र के इस खिलाड़ी ने इन आंकड़ों के दम पर डिवीजन के सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी और क्रिएटर के रूप में शीर्ष स्थान हासिल किया है। 46 गोलों की भागीदारी के साथ उन्होंने 38 मैचों के सीजन में सबसे ज्यादा गोल और असिस्ट का रिकॉर्ड बनाया है, सालाह ओवरऑल प्रीमियर लीग रिकॉर्ड से सिर्फ एक पीछे हैं, जो एलन शियरर और एंड्र्यू कोल के नाम है, दोनों ने 42 मैचों के अभियान में 47 गोल किए हैं। 32 की उम्र में, सालाह लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। इस सीजन में वे 244 गोल के साथ लिवरपूल के ऑल-टाइम स्कोरर की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं।

टेनिसः

जोकोविच ने करियर का 100वां खिताब जीता

नई दिल्ली, एजेंसी। नोवाक जोकोविच ने ओपन एरा में 100वां खिताब जीतकर रोजर फेडरर और जिमी कोनर्स की बराबरी कर ली है। रोजर फेडरर 103 खिताब के साथ दूसरे और जिमी कोनर्स 109 खिताब के साथ सबसे ज्यादा ञक्कखिताब जीतने वालों में टॉप पर हैं। जोकोविच ने जिनेवा ओपन के फाइनल में टूर्नामेंट के छठे सीड ह्यूबर्ट हुरकाज को 5-7, 7-6, 7-6 से हराया। शुरुआत में जोकोविच एक सेट से पिछड़ गए और उसके बाद उन्होंने वापसी की और अंत में खिताब अपने नाम किया। टेनिस में 1968 में ओपन एरा की शुरुआत हुई जब सभी खिलाड़ियों (एमेच्योर और प्रोफेशनल) को चारों ग्रैंड स्लैम में हिस्सा लेने की अनुमति दी गई। इसे ओपन एरा कहा जाता है।

20 अलग–अलग सीजन में ट्रॉफी जीतने वाले पहले खिलाड़ी बने

जोकोविच ने इस खिताब के साथ 20 अलग-अलग सीजन में ट्रॉफी जीतने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। वहीं इसमें ओलिंपिक गोल्ड मेडल भी शामिल है।

मोटर स्पोर्ट्सः

कुश मैनी ने रचा इतिहास, फॉर्मूला 2 रेस जीतने वाले पहले भारतीय बने

मोंटे कार्लो, एजेंसी। कुश मैनी ने सर्किट डी मोनाको में पोल पोजीशन हासिल करते हुए डैम्स लुकास ऑयल के लिए मोंटे कार्लो स्प्रिंट रेस में जीतकर इतिहास रच दिया। भारतीय ड्राइवर ने अल्पाइन अकादमी के प्रतिभाशाली साथी गैब्रिएल मिनी को पीछे छोड़ा, जो प्रेमा रेसिंग के लिए दूसरे स्थान पर रहे और इस प्रतिष्ठित स्थल पर रेस जीतने वाले पहले भारतीय ड्राइवर बने। पीवी और मोनाको में जीतने वाले पहले भारतीय बनने पर मैनी ने, यह बहुत बड़ा सम्मान और सपना सच होने जैसा है।

मैं डैम्स और मेरा समर्थन करने वाले सभी लोगों को धन्यवाद कहना चाहता हूं। हम विश्वास करते रहेंगे! मैनी ने सही शुरुआत की, लेकिन ल्यूक ब्राउनिंग टर्न 1 तक पहले स्थान से पांचवें स्थान पर गिर पड़े। उनके खराब गेटवेट के कारण गैब्रिएल मिनी उपर पीडब्ल्यू स्थान पर आ गए। मिराब्यू में, लिंडब्लैड ने तीसरे स्थान के लिए जैक क्रॉफोर्ड को पास देने का प्रयास किया, लेकिन दोनों के बीच संपर्क ने ब्राउनिंग को चौथे स्थान पर वापस जाने और अमेरिकी से आगे निकलने की अनुमति दी। कैम्पोस ड्राइवर तीसरे स्थान पर उलझन से बाहर आया, लेकिन टक्कर के कारण उसे 10 सेकंड की समय पनेल्टी दी गई। डीआरएस के कारण, मिनी रेस लीडर के पीछे थी, शुरुआती 10 लैप में अंतर 0.3 सेकंड का था, जबकि यह जोड़ी तीसरे स्थान पर मौजूद लिंडब्लैड से 8 सेकंड आगे थी। लैप 12 पर अंतर को बेअसर कर दिया गया जब जोशुआ डुएरकेन की एआईएक्स रेसिंग कार को ठीक करने के लिए सेफ्टी कार को तैनात किया गया।